www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
23 सितम्बर 2026
वर्षः 49
अंकः 137 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त- समाचार

बिहार में लड़की को बैड टच करने वाले का एनकाउंटर

● जमुई में भागने के दौरान पुलिस ने पैर में गोली मारी

जमुई (एजेंसी)। बिहार के जमुई में नाबालिग छात्रा से बदसलूकी करने वाले मुख्य आरोपी नंदन यादव का पुलिस ने एनकाउंटर किया है। उसने मंगलवार को पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने पैर में गोली मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों की माने तो आरोपी उसी मड़वा पहाड़ी के आसपास छिपा हुआ था, जहां दोनों स्टूडेंट घूमने गए थे। पुलिस के मुताबिक वायरल वीडियो में लाल गमछा पहने दिख रहा युवक नंदन है। उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में सभी 6 लोगों की गिरफ्तार कर लिया है। इनमें तीन 35 से 40 साल की उम्र के हैं, जबकि तीन नाबालिग हैं। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर के सुहिता अनुपम ने बताया, 'नंदन पुलिस से बचकर भागने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई और उसके पैर में गोली लगी। पुलिस ने एक अन्य आरोपी हरेराम को भी गिरफ्तार किया है। वो भी जंगल वाले इलाके में छिपा था। पुलिस से बचने के लिए वो भाग रहा था, इसी दौरान गिरने से उसका पैर टूट गया। आरोपी को जमुई सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले वीडियो वायरल करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

तमिलनाडु में अब 8वीं तक के बच्चों को मिलेगा फ्री ब्रेकफास्ट

सीएम विजय ने लॉन्च की स्कीम ब्रेकफास्ट योजना का बदला नाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने एमके स्टालिन सरकार की सबसे चर्चित कल्याणकारी योजना मुख्यमंत्री ब्रेकफास्ट स्कीम को जारी रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री विजय ने इस योजना को डीएमके सरकार के नाम के साथ नहीं लिया, बल्कि योजना का नाम बदल दिया है। सीएम विजय ने इस योजना को कांग्रेस के दिग्गज नेता कामराज के नाम पर योजना का नाम पर रखकर इसे एक नई राजनीतिक पहचान दी है। सरकार ने मुख्यमंत्री ब्रेकफास्ट स्कीम का नाम बदलकर पेरुंथलैवर कामराजर ब्रेकफास्ट स्कीम कर दिया है। इसके जरिए पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता के. कामराज की विरासत को याद किया गया है, जिन्हें स्कूली शिक्षा के विस्तार और राज्य में स्कूल-मील (मिड-डे मील जैसी) योजनाओं को शुरू करने का श्रेय दिया जाता है। सीएम विजय की इस योजना को आगे बढ़ाने के साथ ही बच्चों को नाश्ता करते हुए तस्वीरें भी सामने आई हैं।

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार सोना जीता

एशियन गेम्स-2026 में भारत को मिला पहला गोल्ड

निशिन (एजेंसी)। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीत लिया है। टीम ने मंगलवार को फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराया। भारत ने 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 216 रन बनाए। यह एशियन गेम्स में भारतीय विमेंस टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। 217 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। थर्ड प्लेस के मैच में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

मंधाना ने संभाली पारी, दीप्ति ने ढाया कहर

भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 79, ऋचा घोष ने नाबाद 49 और शेफाली वर्मा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना और शेफाली के बीच पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने इस पारी के दौरान विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार रन भी पूरे किए। श्रीलंका की ओर से सुगंधिका कुमारी, कविशा दिलहारी और चामुडी प्रभोदा ने एक-एक विकेट लिया। श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर ही खेल सकी। चामरी अटापट्टू ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए, जबकि कौशिनी नुथ्यांगना ने 14 और कविशा दिलहारी ने 11 रन बनाए।

रामपुर की जुड़वां बहनों के आगे सिस्टम भी फेल!

● एक जैसे फिंगर प्रिंट्स और एक जैसे रेटिना ने किया हैरान ● अब डीएम ने दी स्पेशल परमीशन, मिली अलग-अगल पहचान

रामपुर (एजेंसी)। रामपुर की दो जुड़वा बहनों के लिए बायोमीट्रिक तकनीकी व्यवस्था कई साल तक परेशानी का कारण बनी रही। फिंगरप्रिंट और आंखों के बायोमीट्रिक डेटा में अधिक समानता के चलते सिस्टम दूसरी बच्ची को अलग व्यक्ति के रूप में पहचान नहीं पा रहा था। नतीजा यह हुआ कि दोनों बहनों में से सिर्फ एक का ही पहचान पत्र बन सका, जबकि दूसरी बच्ची का आवेदन हर बार डुप्लीकेट डेटा बताकर अटक जाता था। आखिरकार जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की पहल के बाद यूआईडीएआई मुख्यालय नई दिल्ली ने मामले में विशेष तकनीकी समाधान निकाला और दोनों बहनों के अलग-अलग पहचान पत्र जारी हो गए। **पहचान पत्र न होने से परिवार था परेशान-** रामपुर नगर के मोहल्ला खारी कुआं निवासी जुबैर इलियास की जुड़वा बेटियां तुबा जुबैर और खिजरा जुबैर हैं। दोनों के पहचान पत्र बनवाने की प्रक्रिया के दौरान तकनीकी समस्या सामने आई। एक बच्ची का पंजीकरण होने के बाद जब दूसरी का नामांकन कराया गया तो सिस्टम फेल हुआ।

होर्मुज का झंझट जल्द हो जाएगा खत्म!

● खाड़ी तक पहुंच के लिए भारत को मिल गया नया 'गेटवे' ● ओमान का सोहर पोर्ट भारत के लिए बनेगा वैकल्पिक रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े जोखिमों ने भारत के लिए खाड़ी देशों तक सामान पहुंचाने के पुराने रास्तों को लेकर चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या ओमान का सोहर पोर्ट भारत के लिए खाड़ी तक पहुंच का नया गेटवे बन सकता है। पिछले कुछ समय से भारत से खाड़ी देशों तक जाने वाले कार्गो के लिए सोहर पोर्ट तेजी से एक वैकल्पिक रास्ते के तौर पर उभर रहा है। होर्मुज के सबसे संकरे हिस्से से बाहर स्थित यह बंदरगाह भारतीय कारोबारियों को समुद्र, सड़क और भविष्य में रेल के जरिए खाड़ी बाजारों तक पहुंचने का नया विकल्प दे रहा है। दूसरा कारण ओमान के साथ भारत के अच्छे रिश्ते भी हैं। पीएम मोदी को ओमान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ ओमान से भी सम्मानित किया जा चुका है।

तेल के लिए भी बना अहम ट्रांजिट पॉइंट

सोहर की भूमिका केवल भारतीय माल ढुलाई तक सीमित नहीं है। सऊदी अरब भी अपने कच्चे तेल के निर्यात के लिए ओमान के तट के पास जहाज से जहाज में तेल ट्रांसफर की व्यवस्था का इस्तेमाल कर रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, सितंबर और अक्टूबर में करीब 6 करोड़ बैरल सऊदी क्रूड को सोहर के पास शिप-टू-शिप ट्रांसफर के जरिए आगे भेजने की योजना है। भारत के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा दूसरे देश से कच्चा तेल आयात करता है।

भारत की कंपनियों पर बढ़ा फोकस

ओमान अब भारतीय कंपनियों को सोहर पोर्ट और उससे जुड़े फ्रीजोन में निवेश के लिए आकर्षित कर रहा है। सितंबर में नई दिल्ली में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस के साथ हुए कार्यक्रमों में सोहर की कनेक्टिविटी, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय बाजारों तक पहुंच पर चर्चा हुई। सोहर फ्रीजोन के सीईओ रैद अल रुबैई ने भारतीय निवेश को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों को औद्योगिक निवेश और मजबूत सप्लाई चेन के जरिए और विस्तार दिया जा सकता है। सोहर के पूरे इकोसिस्टम में 30 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हो चुका है और बंदरगाह की सालाना कार्गो क्षमता 7.2 करोड़ टन से ज्यादा बताई जाती है।

सोहर से यूएई और सऊदी तक नई कनेक्टिविटी

ओमान सोहर को सिर्फ समुद्री बंदरगाह के रूप में नहीं, बल्कि मल्टीमॉडल ट्रेड हब के रूप में विकसित कर रहा है। सोहर से सड़क के जरिए सऊदी अरब और यूएई तक माल पहुंचाया जा सकता है। वहीं प्रस्तावित ओमान-यूएई रेल कनेक्शन भविष्य में इस नेटवर्क को और मजबूत कर सकता है। भारत और ओमान के बीच पहले से मजबूत कारोबारी संबंध हैं। 2025-26 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 11.19 अरब डॉलर रहा। ऐसे में होर्मुज संकट ने सोहर की अहमियत को अचानक बढ़ाया जरूर है, लेकिन भारत के लिए यह रिश्ता केवल मौजूदा संकट तक सीमित नहीं है। बदलती परिस्थितियों में सोहर भारतीय कंपनियों को खाड़ी बाजार तक पहुंचने के लिए एक अतिरिक्त रास्ता उपलब्ध करा रहा है।

खाने के तेल में 7-8 फीसदी बढ़ोत्तरी के आसार

● *त्यौहार से पहले लगेगा महंगाई का तड़का* ● *बढ़ती लैंडेड कॉस्ट व रुपए में कमजोरी बनेगी वजह*

नई दिल्ली (एजेंसी)। दशहरा और दीवाली से पहले देश में खाने के तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। आयात लागत बढ़ने से कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में एडिबल ऑयल कंपनियां कीमतों में करीब 7-8 फीसदी तक बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बेहतर सप्लाई और इंपोर्ट ड्यूटी में संभावित कटौती से बढ़ोतरी सीमित रह सकती है। अगर कंपनियां कीमतें बढ़ाती हैं तो मार्च के बाद यह तीसरी बार होगा, जब खाने के तेल के दाम बढ़ेंगे। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के मुताबिक इससे पहले मार्च से जून के बीच दो चरणों में कंपनियों ने करीब 5 से 6 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। इस तरह उस दौरान खाने के तेल की कीमतों में कुल 10 से 12 फीसदी तक इजाफा हुआ था। खाने के तेल की कीमतों पर सबसे ज्यादा दबाव क्रूड एडिबल ऑयल की बढ़ती लैंडेड कॉस्ट से आ रहा है। कमजोर रुपया, महंगा फ्रेट और इंश्योरेंस तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में वेजिटेबल ऑयल की ऊंची कीमतों ने कंपनियों की लागत बढ़ा दी है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के आंकड़े डरा रहे हैं।

कंपनियों के पास कीमत बढ़ाने का विकल्प

जानकारों के मुताबिक क्रूड एडिबल ऑयल की लैंडेड कॉस्ट में करीब 8-11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में कंपनियों के लिए इस बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाना जरूरी हो सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कीमत बढ़ाने का समय और इसकी मात्रा बाजार में मांग और सप्लाई की स्थिति पर निर्भर करेगी। इंडस्ट्री के मुताबिक आने वाले दिनों में क्रूड एडिबल ऑयल लेकर आने वाले जहाजों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इससे बाजार में सप्लाई और इन्वेंट्री की स्थिति बेहतर हो सकती है। अगर घरेलू बाजार में तेल की उपलब्धता बढ़ती है तो कंपनियों पर बढ़ी हुई अंतरराष्ट्रीय लागत का पूरा बोझ ग्राहकों पर डालने का दबाव कुछ कम हो सकता है।

मेटा के बाद अब गूगल ने भी मानी सरकार की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल ने सोमवार को जानकारी दी कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट की सीधी जानकारी भारतीय अधिकारियों को दी जाएगी। भारत सरकार ने साफ तौर पर इस बारे में गूगल समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जानकारी मांगी थी। गूगल का भारत को ये जानकारी देना पुराने ग्लोबल तरीके से अलग है, जिसके तहत ऐसी रिपोर्ट पहले अमेरिका को भेजी जाती थीं।

अब और ताकतवर होंगे 'अजेय' और 'भीष्म'

इंजन बंद होने पर भी टी-72 और टी-90 दागेंगे गोला

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए सहायक विद्युत इकाइयों (एपीयू) की खरीद के लिए एक्यूरेट इंडस्ट्रियल कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 586 करोड़ रुपये की एक डील पर साइन किए हैं। इस डील पर 21 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में साइन किए गए। एपीयू टैंक के फायर कंट्रोल सिस्टम, फायरिंग सर्किट, गन स्टेबिलाइजेशन सिस्टम और अन्य सहायक उपकरणों के लिए विद्युत शक्ति उत्पादन का एक वैकल्पिक स्रोत है। स्वदेशी रूप से विकसित एपीयू को शामिल करने से भारतीय सेना की मशीनीकृत इकाइयों की संचालन तत्परता, विश्वसनीयता और स्थायित्व और अधिक मजबूत होगी।

27 बच्चे एडमिट थे, एसी फटने की जता रहे आशंका

तेलंगाना के अस्पताल में आग, 3 नवजात की मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के सरकारी अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में सोमवार रात करीब 11.50 बजे आग लग गई। हादसे में अब तक 3 नवजात की मौत हो गई, जबकि कई अन्य की हालत गंभीर है। अधिकारियों के मुताबिक, यूनिट में 27 नवजात का इलाज चल रहा था। हादसे के बाद 24 बच्चों का अलग-अलग प्राइवेट अस्पतालों में इलाज जारी है। शुरुआती जानकारी में एसी में खराबी के बाद धमाके की आशंका जताई गई है। हालांकि सही वजह जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में इस साल अस्पतालों में आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई है। इनमें ओडिशा के कटक में 12 मरीज, बिहार के मुजफ्फरपुर में 5 मरीज, महाराष्ट्र के अमरावती में 3 नवजात, तेलंगाना के आदिलाबाद में 3 नवजात, उत्तर प्रदेश के कानपुर में 1 नवजात और उत्तराखंड में एक की मौत हुई है।

कांग्रेस-आप नहीं अमृतपाल बढ़ा रहे अकाली दल की टेंशन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले पंथिक राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। लंबे समय तक इस क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने वाला शिरोमणि अकाली दल अब कई गुटों और नए राजनीतिक संगठनों की चुनौती का सामना कर रहा है। अमृतपाल सिंह की 'वारिस पंजाब दे', सिमरनजीत सिंह मान की पार्टी और अकाली दल से अलग हुए गुट अपने-अपने तरीके से पंथक मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच सुखबीर सिंह बादल के हालिया बयानों ने भी साफ संकेत दिया है कि अकाली अब अपने पारंपरिक राजनीतिक आधार को लेकर पहले से ज्यादा सक्रिय है।

पंथक वोट बंटा तो सत्ता में लौटने का सपना होगा चकनाचूर

● **कांग्रेस-आप को छोड़ अमृतपाल पर किया था हमला-** नांदेड़ हमले के बाद जब शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल 26 अगस्त को श्री मुक्तसर साहिब जिले में राजनीतिक मंच पर लौटे तो उन्होंने सत्ताधारी आम आदमी पार्टी या कांग्रेस पर हमला नहीं बोला था। इन दोनों बड़े दलों पर हमला न बोल लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह और उसकी पार्टी वारिस पंजाब दे को निशाना बनाया था। यह पार्टी पंजाब की राजनीति में उसी पंथिक वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश कर रही है, जिस पर लंबे समय से अकाली दल का दबदबा रहा है। पंजाब बचाओ रैली को संबोधित करते हुए बादल ने आरोप लगाया था कि वारिस पंजाब दे उन्हीं ताकतों का प्रतिनिधित्व करती है जिन्होंने 1980 के दशक में पंजाब की शांति को नष्ट किया था। बादल के इन बयानों से साफ था कि उन्हें डर है कि लंबे समय से उनके साथ पंथिक वोट बंट सकता है। पंजाब में कम से कम चार राजनीतिक समूह पंथिक आधार पर अपनी जगह बना रहे हैं।

अकाल तख्त की कार्रवाई का भी असर

दिसंबर 2024 में अकाल तख्त ने सुखबीर सिंह बादल को 'तनखैया' घोषित किया। बादल ने धार्मिक कदाचार से जुड़े आरोपों को स्वीकार किया। इसी दौरान उनके पिता और पंजाब के पांच बार मुख्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल को दिया गया 'फख्र-ए-कौम' सम्मान भी वापस ले लिया गया। दिसंबर 2024 में स्वर्ण मंदिर में प्रायश्चित की प्रक्रिया के दौरान सुखबीर बादल पर जानलेवा हमला भी हुआ। इस घटना की मुख्यधारा के सिख संस्थानों और नेताओं ने निंदा की। इस हमले को लेकर कट्टरपंथी समूहों और कुछ जानकारों ने इसे बादल परिवार के खिलाफ बढ़ते पंथिक असंतोष से जोड़कर देखा। अकाली दल की पंथिक राजनीति से दूरी की प्रक्रिया काफी पहले शुरू हो गई थी।

संपादकीय

डॉक्टरी में बेईमानी का प्रवेश

चिकित्सा शिक्षा केवल एक डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है। यह सीधे इंसानी जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे में यदि डॉक्टर बनने की पहली सीढ़ी ही फर्जी दस्तावेजों और गलत प्रमाण पत्रों के सहारे चढ़ी जाए तो यह सवाल केवल कानून–व्यवस्था का नहीं, बल्कि पूरे चिकित्सा तंत्र की विश्वसनीयता का बन जाता है। देहरादून में नीट यूजी 2025 के तहत एमबीबीएस में कथित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रवेश के मामले में पुलिस की एसआईटी जांच ने इसी गंभीर चिंता को सामने रखा है। पुलिस के अनुसार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित कोटे का लाभ लेने के लिए कूटरचित दस्तावेज तैयार कर प्रमाण पत्र हासिल किए गए और उनके आधार पर अलग–अलग मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लिया गया। मामले में दो आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है और जांच अभी जारी है। पुलिस पूछताछ में एक आरोपी द्वारा शिक्षा कंसल्टेंसी के माध्यम से मेडिकल सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिलाने का काम करने की बात सामने आई है। आरोप है कि तीन अभ्यर्थियों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कोटे से एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने के लिए बड़ी रकम तय की गई और अग्रिम राशि भी ली गई। यदि जांच में ये आरोप प्रमाणित होते हैं, तो यह शिक्षा के व्यवसायीकरण और व्यवस्था में मौजूद संभावित कमजोरियों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आखिर फर्जी प्रमाण पत्र तैयार कैसे हुए और सत्यापन की प्रक्रिया में वे पकड़े क्यों नहीं गए? किसी भी आरक्षित या विशेष श्रेणी का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार और संबंधित संस्थानों की जिम्मेदारी है। यदि कोई अपात्र व्यक्ति फर्जी दस्तावेज के जरिए उस लाभ को हासिल करता है तो वह केवल एक सीट नहीं छीनता, बल्कि उस विद्यार्थी के अधिकार को भी प्रभावित करता है जो वास्तव में उस श्रेणी का पात्र है। इस मामले का एक और चिंताजनक पहलू यह है कि चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश पाने वाला विद्यार्थी भविष्य में मरीजों के इलाज की जिम्मेदारी संभाल सकता है। इसलिए मेडिकल शिक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर फर्जीवाड़े की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रवेश प्रणाली में पारदर्शिता और दस्तावेजों का मजबूत सत्यापन अनिवार्य है। जांच एजेंसी द्वारा लगाए गए आरोपों और अदालत में सिद्ध तथ्यों के बीच अंतर को भी ध्यान में रखना होगा। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया और न्यायिक निर्णय महत्वपूर्ण होंगे। जांच निष्पक्ष हो, सभी संबंधित लोगों की भूमिका सामने आए और दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि फर्जी प्रमाण पत्र किस स्तर पर तैयार हुए, आवेदन से लेकर प्रवेश तक किन–किन स्तरों पर उनका सत्यापन हुआ और क्या किसी संस्थागत लापरवाही या मिलीभगत की भूमिका थी। यदि व्यवस्था में कोई खामी सामने आती है तो उसे दूर करना भी उतना ही जरूरी है। एमबीबीएस की एक सीट किसी विद्यार्थी के लिए केवल करियर नहीं, बल्कि समाज के प्रति भविष्य की जिम्मेदारी है। इसलिए डॉक्टर बनने की प्रक्रिया में योग्यता, पारदर्शिता और ईमानदारी से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। फर्जी दस्तावेजों के सहारे हासिल की गई एक सीट भी उस व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है, जिस पर लाखों विद्यार्थी और उनके परिवार भरोसा करते हैं। अब जरूरत ऐसी व्यवस्था बनाने की है जिसमें किसी भी फर्जी प्रमाण पत्र के जरिए चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश की संभावना न्यूनतम हो। शिक्षा में अवसर समान हों, पात्र को उसका अधिकार मिले और चिकित्सा जैसी संवेदनशील शिक्षा व्यवस्था में योग्यता और सत्यापन सर्वोच्च प्राथमिकता बने–यही इस पूरे प्रकरण से निकलने वाला सबसे बड़ा सबक होना चाहिए।

साइबर अपराध का बढ़ता जाल और हमारी छोटी सी लापरवाही

कांतिलाल मांडोत

डिजिटल सुविधा ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसी सुविधा के साथ साइबर अपराध का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, इंटरनेट खरीदारी और ऑनलाइन निवेश ने लेन-देन को सरल किया है तो दूसरी ओर साइबर अपराधियों को भी दूर बैठे लोगों तक पहुंचने का रास्ता दिया है। संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 30 अगस्त 2019 से 28 नवंबर 2024 तक 53.93 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं और इनसे करीब 31,594 करोड़ रुपए की ठगी की राशि जुड़ी थी। वित्तीय साइबर अपराध इन शिकायतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा थे।

शिकायतों की बढ़ती संख्या बताती है कि खतरा कितना बड़ा है। लेकिन शिकायत, प्राथमिकी और वास्तविक अपराध के आंकड़ों को एक ही मानना उचित नहीं होगा। साइबर अपराध में कई शिकायतें जांच के अलग-अलग चरणों से गुजरती हैं और प्राथमिकी दर्ज होने की प्रक्रिया अपराध की प्रकृति तथा उपलब्ध साक्ष्यों पर निर्भर करती है। फिर भी शिकायतों की विशाल संख्या यह स्पष्ट करती है कि नागरिकों को जागरूक करने और पुलिस की साइबर जांच क्षमता बढ़ाने की जरूरत लगातार बढ़ रही है।

साइबर ठगी का सबसे बड़ा हथियार तकनीक से ज्यादा इंसान का भरोसा और जल्दबाजी है। अपराधी कभी बैंक कर्मचारी बनकर, कभी पुलिस अधिकारी बनकर, कभी निवेश सलाहकार बनकर और कभी नौकरी या किसी सरकारी योजना के नाम पर संपर्क करते हैं। वे पहले विश्वास पैदा करते हैं और उसके बाद व्यक्ति से ऐसी जानकारी या भुगतान हासिल करने की कोशिश करते हैं जिससे उसके खाते से पैसा निकाला जा सके। निवेश के नाम पर होने वाली ठगी इसका बड़ा उदाहरण है। कोटा में सामने आए कॉल सेंटर मामले में पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फर्जी वेबसाइट के माध्यम से निवेशकों को बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाया और उनसे अधिक रकम लगाने के लिए प्रेरित किया। ऐसे मामलों में फर्जी लाभ दिखाकर भरोसा पैदा किया जाता है और जब पीड़ित बड़ी रकम लगा देता है तो संपर्क समाप्त कर दिया जाता है।

यहां ग्राहक की सावधानी बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर निवेश करना, संदिग्ध वेबसाइट पर भरोसा करना, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करना या किसी संदेश में दिए लिंक को बिना जांचे खोलना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। सरकार और बैंक समय-समय पर चेतावनियां जारी करते हैं, लेकिन केवल चेतावनी जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी उन चेतावनियों को गंभीरता से पढ़ना और व्यवहार में उतारना होगा। किसी भी व्यक्ति को अपना पासवर्ड, पिन, एक बार इस्तेमाल होने वाला सत्यापन कोड या बैंक खाते की गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं देनी चाहिए। अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई आवेदन डाउनलोड नहीं करना चाहिए। निवेश से संबंधित प्रस्ताव मिलने पर संबंधित संस्था की आधिकारिक वेबसाइट से उसकी पुष्टि करनी चाहिए। बहुत कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का दावा अपने आप में सावधानी बरतने का संकेत है।

सरकारी साइबर सुरक्षा सलाह में भी संदिग्ध निवेश प्रस्तावों, फर्जी वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से आने वाले निवेश संदेशों से सावधान रहने को कहा गया है। साइबर अपराध को रोकने की जिम्मेदारी केवल नागरिकों की नहीं है। सरकार, पुलिस, बैंक, दूरसंचार कंपनियों और डिजिटल भुगतान संस्थाओं को भी अपनी-अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभानी होगी। साइबर अपराध में समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। ठगी के तुरंत बाद सूचना मिलने पर संबंधित वित्तीय संस्थाओं तक जानकारी पहुंचाकर रकम को रोकने की संभावना बढ़ सकती है। भारत सरकार का राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल नागरिकों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है और वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के लिए 1930 हेल्पलाइन उपलब्ध है। पोर्टल पर शिकायत करते समय घटना की सही और पूरी जानकारी तथा उपलब्ध साक्ष्य देना महत्वपूर्ण बताया गया है।

यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन वित्तीय ठगी हो जाए तो उसे शर्म या डर के कारण चुप नहीं बैठना चाहिए। तुरंत 1930 पर सूचना देनी चाहिए और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत करनी चाहिए। बैंक या संबंधित भुगतान संस्था को भी तत्काल सूचित करना चाहिए। लेन-देन का विवरण, संदेश, मोबाइल नंबर, वेबसाइट का पता, भुगतान की रसीद और अन्य उपलब्ध प्रमाण सुरक्षित रखने चाहिए। आधिकारिक व्यवस्था के अनुसार शिकायत के बाद उसे आगे दर्ज और ट्रैक भी किया जा सकता है।

सरकार की जवाबदेही का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा पुलिस की क्षमता बढ़ाना है। साइबर अपराध की जांच सामान्य अपराधों से अलग तकनीकी विशेषज्ञता मांगती है। पुलिस बल के शुरूआती प्रशिक्षण में साइबर सुरक्षा को पर्याप्त महत्व मिलना चाहिए। राज्यों की साइबर इकाइयों को प्रशिक्षित अधिकारी, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है। अलग-अलग राज्यों में बैठे अपराधियों के नेटवर्क को पकड़ने के लिए पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच तेज सूचना आदान-प्रदान भी आवश्यक है। साइबर अपराध की शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई और प्राथमिकी के संबंध में स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। शिकायतकर्ता को यह पता होना चाहिए कि उसकी शिकायत किस अधिकारी के पास है और उसकी स्थिति क्या है। राष्ट्रीय पोर्टल पर शिकायत की स्थिति देखने की सुविधा उपलब्ध है तथा उचित प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर संबंधित राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के नोडल अधिकारी से संपर्क की व्यवस्था भी है। साइबर अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए केवल एक-दो आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। जिस व्यक्ति ने फोन किया, जिस खाते में पैसा गया, जिसने फर्जी वेबसाइट बनाई और जिसने लोगों का आंकड़ा उपलब्ध कराया, इन सभी कड़ियों की जांच जरूरी है। इसी से अपराध की पूरी श्रृंखला सामने आएगी।

अंततः साइबर सुरक्षा सरकार और जनता की साझा जिम्मेदारी है। सरकार को मजबूत शिकायत व्यवस्था, प्रशिक्षित पुलिस, त्वरित वित्तीय कार्रवाई और लगातार जनजागरूकता सुनिश्चित करनी होगी। नागरिकों को भी यह समझना होगा कि मोबाइल पर आया हर संदेश सच नहीं होता और फोन करने वाला हर व्यक्ति वही नहीं होता जिसका वह परिचय देता है।

डिजिटल दुनिया में सबसे मजबूत सुरक्षा सावधानी है। लालच में जल्दबाजी नहीं, डर में कोई भुगतान नहीं, अनजान व्यक्ति को गोपनीय जानकारी नहीं और संदिग्ध लिंक पर बिना जांचे भरोसा नहीं। यदि ठगी हो भी जाए तो चुप्पी नहीं, तत्काल शिकायत जरूरी है। समय पर की गई सूचना कभी-कभी रकम बचाने के साथ-साथ पूरे साइबर गिरोह तक पुलिस को पहुंचाने में मदद कर सकती है। यही जागरूकता साइबर अपराध के बढ़ते जाल को कमजोर करने का सबसे व्यावहारिक रास्ता है।

बारह बजे के वादे से शाम की सड़क तक

कुमार कृष्णन

जमुई से सामने आया एक वीडियो बिहार में सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर कई असहज सवाल छोड़ गया है। वीडियो में एक नाबालिग लड़की और एक नाबालिग लड़के को कुछ लोग घेरते दिखाई देते हैं। लड़की उन्हें छोड़ देने की गुहार लगाती नजर आती है। लड़का अपने और लड़की के बारे में सफाई देता दिखाई देता है। वीडियो के दूसरे हिस्से में दोनों को रोकने, लड़के के साथ मारपीट करने और लड़की के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने के दृश्य दिखाई देते हैं। वीडियो की पूरी परिस्थितियों और उसमें दिखाई देने वाले प्रत्येक व्यक्ति की कानूनी जिम्मेदारी का अंतिम निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही होगा।

पुलिस के अनुसार घटना 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे जमुई में हुई। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों नाबालिगों तक पहुंचकर उनके बयान दर्ज किए और प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस की ओर से तीन गिरफ्तारियों की जानकारी दी गई है। सोमवार को बिहार के एडीजी कानून-व्यवस्था के.एस. अनुपम ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों नाबालिग हैं और उनमें दो की उम्र 17 से 18 वर्ष के बीच बताई गई है। उनके अनुसार जमुई थाने में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 128, 74 और 75 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया गया है, जिसकी निगरानी जमुई के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कर रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई के साथ एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है। घटना का वीडियो जिस तरह सामाजिक माध्यमों पर फैला, उसके बाद पुलिस ने वीडियो प्रसारित करने वाले खातों पर भी कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने कई फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स खातों को हटाने के लिए चिह्नित किए जाने की जानकारी दी है। नाबालिगों से संबंधित वीडियो को बार-बार साझा करना उनकी निजता और गरिमा के लिए दूसरी क्षति बन सकता है। जिस सामग्री ने पुलिस को घटना तक पहुंचने में मदद की, वही सामग्री अगर बिना रोक-टोक प्रसारित होती रहे तो वह न्याय का साधन नहीं, बल्कि नाबालिगों के लिए नई परेशानी बन सकती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पुलिस के अनुसार घटना के तुरंत बाद दोनों नाबालिगों की ओर से कोई औपचारिक शिकायत नहीं की गई थी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने उसमें दिखाई दे रहे वाहन के पंजीकरण नंबर सहित उपलब्ध सुरागों के आधार पर दोनों तक पहुंच बनाई। इससे व्यवस्था के सामने एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है–क्या किसी नाबालिग को सुरक्षा और न्याय की प्रक्रिया तक पहुंचने के लिए घटना का वीडियो सार्वजनिक होना जरूरी है?

यहीं से मामला केवल एक घटना का नहीं रह जाता। यह उस सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्था का सवाल बन जाता है जिसमें किसी सड़क पर कुछ लोग किसी लड़के और लड़की को रोकते हैं, उनसे सवाल करते हैं और उनके निजी संबंधों पर फैसला सुनाने की कोशिश करते हैं। किसी व्यक्ति के व्यवहार पर किसी को आपत्ति हो सकती है। किसी को कोई आशंका भी हो सकती है। लेकिन आपत्ति या आशंका किसी नागरिक को स्वयं कानून लागू करने का अधिकार नहीं देती। किसी शिकायत या संदेह की स्थिति में पुलिस और कानूनी प्रक्रिया का रास्ता मौजूद है। सड़क पर किसी को घेरना, रोकना, धमकाना या बलपूर्वक व्यवहार करना अपने आप में अलग कानूनी प्रश्न खड़े कर सकता है। उन प्रश्नों का उत्तर उपलब्ध साक्ष्यों और कानून के आधार पर जांच में ही दिया जा सकता है। किसी वीडियो के आधार पर तत्काल सामाजिक फैसला सुनाना भी न्याय नहीं है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब भीड़ अपने अनुमान को तथ्य, अपनी नाराजगी को न्याय और अपनी सामाजिक मान्यता को कानून मानने लगती है। लोकतंत्र में कानून की जगह भीड़ का विवेक लेने लगे तो सबसे पहले नागरिक की स्वतंत्रता और गरिमा कमजोर होती है। आज किसी लड़की और लड़के को देखकर भीड़ फैसला सुनाएगी, कल किसी और नागरिक को किसी दूसरे कारण से घेरा जा सकता है। ह्यसंस्कृतिह्ल के नाम पर निजी जिंदगी की निगरानी भी इसी मानसिकता का हिस्सा बन सकती है। समाज की अपनी मान्यताएं हो सकती हैं, लेकिन किसी लड़की या लड़के के चरित्र, संबंध या निजी जीवन का फैसला सड़क पर खड़ी भीड़ नहीं कर सकती। सामाजिक मान्यता का हवाला कानून से ऊपर नहीं हो सकता।

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने

ललित गर्ग

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-श्रृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है।

नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।

हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए।

भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरूआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अकेला कारण नहीं माना जा सकता, भूगर्भीय संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बने।

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता। अब हिमालय में हर सड़क, हर सुरंग, हर बांध, हर पर्यटन परियोजना और हर निर्माण से पहले यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि इससे पहाड़ पर कितना दबाव पड़ेगा और किसी चरम प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसकी कीमत कौन चुकाएगा। समय रहते निगरानी, वैज्ञानिक आकलन, सीमित एवं सुरक्षित निर्माण और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में कदम उठाए गए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाली त्रासदियां केवल प्राकृतिक आपदाएं नहीं होंगी-वे हमारी विकास-दृष्टि की विफलता का परिणाम भी मानी जाएंगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दुकान की आड़ में चरस तस्करी, 66 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुकान की आड़ में चरस तस्करी करने के आरोप में कोटद्वार पुलिस ने 66 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 424 ग्राम चरस बरामद करने का दावा किया है। मामले में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपित को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, सोमवार को मानपुर क्षेत्र में एक दुकानदार द्वारा दुकान की आड़ में नशे का कारोबार किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दुकान की जांच की। पूछताछ के दौरान दुकानदार संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस ने दुकान और आरोपित की तलाशी ली, जिसमें 424 ग्राम चरस बरामद हुई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि आरोपी की पहचान जानकी प्रसाद (66), निवासी मानपुर, कोटद्वार के रूप में हुई है। चरस बरामद होने के बाद आरोपित को हिरासत में लेकर कोतवाली लाया गया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपित के पूर्व आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने आमजन से नशे के खिलाफ अभियान में सहयोग करने और नशे से संबंधित किसी भी गतिविधि की सूचना पुलिस को देने की अपील की है।

कोतवाली पुलिस की हिरासत में चरस के साथ पकड़ा गया आरोपी

वायुमंडलीय ऊर्जा विश्लेषण पर विकसित की तकनीक

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विवि के भौतिकी विभाग की अनुसंधान प्रयोगशाला के शोधकर्ताओं ने भौतिकी-आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कर वायुमंडलीय ऊर्जा अंतरण विश्लेषण पर एक तकनीक विकसित की है जिसका पेटेंट प्रकाशित हुआ है। डॉ. आलोक सागर गौतम के मार्गदर्शन में हुआ यह शोध भौतिकी-सूचित कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमताओं को वायुमंडलीय भौतिकी के मूलभूत नियमों के साथ जोड़ा गया है। इस तकनीक के माध्यम से विभिन्न पर्यावरणीय एवं वायुमंडलीय स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का एकीकृत विश्लेषण कर वायुमंडल में होने वाले ऊर्जा विनिमय एवं ऊर्जा अंतरण को समझने तथा उसका पुनर्निर्माण करने का प्रयास किया गया है। शोध दल में अमनदीप विश्वकर्मा, अंकित कुमार, सरस्वती रावत, डॉ. करण सिंह और डॉ. संजीव कुमार शामिल रहे। डॉ. गौतम ने कहा कि शोध छात्रों को केवल अपने विषय तक सीमित न रहकर पेटेंट, पुस्तक लेखन और नवाचार गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए। (एजेंसी)

सामाजिक विज्ञान प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

आयोजित प्रतियोगिता में माडल प्रस्तुत करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : संकुल पौखाल की सामाजिक विज्ञान प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। मॉडल प्रतियोगिता में श्री गुरु राम राय राजकीय इंटर कालेज दिउला के छात्र अनुज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल किताबों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि इसे आसपास की दुनिया को समझने और प्रयोग करने के माध्यम के रूप में भी देखा जाना चाहिए। वैज्ञानिक मॉडल तैयार करने से विद्यार्थियों को उसके पीछे छिपे सिद्धांतों को समझने और उन्हें व्यावहारिक रूप देने का अवसर मिलता है। मॉडल प्रतियोगिता में श्री गुरु राम राय राजकीय इंटर कालेज दिउला के अनुज ने प्रथम, मनीष ने द्वितीय और अंकिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में मीनाक्षी ने प्रथम, अंकिता ने द्वितीय और अंजलि ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं क्विज प्रतियोगिता में अभिनव प्रथम, राघव द्वितीय और अजीत तृतीय रहे। इस मौके पर नीलम सुंद्रियाल, जगदंबा रावत, शिशपाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अश्लील फोटो वायरल करने के मामले में एक वर्ष का कारावास

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बीते वर्ष मार्च माह में कोटद्वार तहसील क्षेत्र के अंतर्गत पट्टी अजमीर वल्ला-4 में एक युवती का अश्लील फोटो वायरल करने संबंधी मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आरोपित को एक वर्ष का सश्रम कारावास सुनाया है। साथ ही आरोपित पर पचास हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है।बताते चलें कि बीते वर्ष 22 मार्च को पीड़ित की ओर से राजस्व पुलिस को तहरीर दी गई। दी गई तहरीर में साहिल अहमद पर उसकी फोटो वायरल करने का आरोप लगाया गया। यह भी आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर बनी आईडी को बंद करने के एवज में साहिल ने उसका शोषण किया। मामले के संवेदनशील होने के कारण इस मामले को जांच के लिए रेगुलर पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद बीते वर्ष एक मई को साहिल को गिरफ्तार कर दिया। 17 अक्टूबर को उसे न्यायालय से जमानत मिल गई। इधर, पुलिस ने बीते वर्ष 28 मई को मामले से संबंधित आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए। जिला सहायक शासकीय अधिवक्ता जीतेंद्र रावत ने बताया कि अभियोजन पक्ष की ओर से मामले आठ गवाह प्रस्तुत किए गए। बताया कि तमाम गवाहों के बयान व आरोप-प्रत्यारोप के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनी शुक्ला ने साहिल को वीडियो वायरल करने संबंधी मामले में दोषी पाया है। मामले में साहिल को एक वर्ष का कठोर कारावास सुनाया गया है। साथ ही 52 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर छः माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अब कान में फंगल संक्रमण से लोग पीड़ित

श्रीनगर गढ़वाल : बरसात थमने के बाद अब कान में फंगल संक्रमण से लोग पीड़ित हैं। उपजिला चिकित्सालय श्रीनगर के ईएनटी विभाग में इन दिनों रोजाना 20 से 25 मरीज कान में फंगल संक्रमण की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। इनमें करीब 15 महिलाएं हैं। खास बात यह है कि अधिकांश मरीज श्रीनगर से सटे ग्रामीण क्षेत्रों से अस्पताल पहुंच रहे हैं। फरासू, कलियासौड़, डुंगरीपंथ, सिल्काखाल, खंडाह और बडियारगढ़ समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग कान में खुजली, दर्द, कान बंद होना और स्राव की शिकायत लेकर अस्पताल आ रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार बरसात के दौरान कान में गया पानी और लंबे समय तक बनी नमी फंगल संक्रमण की प्रमुख वजह बन रही है। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. दिगपाल दत्त ने बताया कि इन दिनों ओपीडी में कान के फंगल संक्रमण के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अस्पताल पहुंच रहे फंगल संक्रमण के मरीजों में महिलाओं की संख्या अधिक है। कान को पानी और नमी से बचाना जरूरी है। नहाते समय कान में पानी जाने से बचाएं।

लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग की मरम्मत की मांग, यूकेडी ने सौंपा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग पर निर्माण और मरम्मत कार्य शुरू नहीं किए जाने पर उत्तराखंड क्रांति दल ने रोष जताया है। दल ने कहा कि वर्षाकाल में मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे इस पर आवागमन करना मुश्किल हो गया है। यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग को लेकर दल ने लैंसडौन वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी गौरव वर्मा को ज्ञापन सौंपा।

दल के केंद्रीय प्रचार सचिव उम्मेद सिंह भंडारी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने डीएफओ से मुलाकात की। ज्ञापन में लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण एवं मरम्मत कार्य शुरू कराने सहित विभिन्न मांगें उठाई गईं। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल के दौरान मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो गई है। नदी पर बने रपटे क्षतिग्रस्त होकर बह गए हैं, जबकि मोटर मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। इससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दल ने यातायात को सुगम बनाने के लिए मार्ग की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। इसके अलावा वन विभाग की ओर से बनाई गई सुरक्षा दीवारों पर एंगल के माध्यम से कंटीले तार लगाने और हाथियों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग भी की गई। इस मौके पर रवींद्र सौंध और हरीश ध्यानी मौजूद रहे।

समस्या को लेकर प्रभागीय वनाधिकारी को ज्ञापन देते उक्रांद सदस्य व पदाधिकारी

संक्षिप्त समाचार

छात्रसंघ चुनाव 29 सितम्बर को

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में छात्रसंघ चुनाव 2026 – 27 का कार्यक्रम जारी करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डी एस नेगी ने प्रेस से वार्ता करते हुए बताया कि छात्रसंघ नामांकन हेतु प्रपत्रों की बिक्री 23 सितम्बर 2026 बुधवार को प्रातः 11:00 बजे से 3:00 अपराह्न तक,24 सितम्बर को गुरूवार को प्रातः 11 बजे से 3 बजे अपराहन तक नामांकन प्रक्रिया की जायेगी। नाम वापसी 26 सितम्बर 2026 शनिवार प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे मध्याह्न तक होगी । नामांकन पत्रों की जांच 26 सितम्बर 2026 शनिवार अपराह्न 12:00 बजे से 3:00 बजे अपराहन तक, वैध सूची का प्रकाशन 26 सितम्बर 2026 4 बजे अपराहन , प्रत्याशियों की प्राचार्य / स्थानीय प्रशासन और छात्रसंघ समिति के साथ बैठक 28 सितम्बर 2026 सोमबार प्रातः 10:00 बजे, प्रत्याशियों को सामाग्री वितरण 28 सितम्बर 2026 तथा महाविघालय स्टाफ की बैठक 28 सितम्बर सोमवार 2026 1:00 बजे तथा मतदान 29 सितम्बर मंगलवार 2026 प्रातः 8 बजे से 1 बजे अपराहन तक तथा मतगणना 29 सितम्बर 2026 अपराहन 2 से तथा चुनाव परिणाम की घोषणा व शपथ ग्रहण 29 सितम्बर , चुनाव परिणाम घोषित होने के तुरन्त बाद किया जाएगा . प्रेस वार्ता में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डी एस नेगी छात्र संघ प्रभारी तथा छात्र संघ समिति के सदस्य डॉ विनोद कुमार डॉ संदीप कुमार उपस्थित थे।

जनता दर्शन कार्यक्रम में उठाई डांगी गांव की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व उप प्रधान जगमोहन डांगी ने जनता दर्शन कार्यक्रम में डांगी गांव की मूलभूत समस्याओं को उठाकर उनके निराकरण की मांग की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए।

जगमोहन डांगी ने कहा कि लगतार गुलदार के हमलों से लोग दहशत में है। सांय होते ही लोग घरों में कैद होने को मजबूर है। इसके अलावा बंदरों और लगंरों के आतंक से भी ग्रामीण परेशान है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलाई जाए। कहा कि पांच साल पहले बनी सड़कों पर अभी तक जीएमओयू बसों का ट्रायल तक नहीं हो पाया है। जल्द से जल्द पांच वर्ष पूर्व बनीं सड़कों पर जीएमआयू की बसों का ट्रायल कर बसों का सुचारू रूप से संचालन किया जाय। क्योंकि जल्द ही त्योहार और शादियों का सीजन शुरू होने वाला है। जगमोहन डांगी ने गांव में सोलर लाइट लगाने, पैतृक सम्पत्ति के ऑनलाइन दाखिल खारिज में आ रही दिक्कतों को दूर करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान का पद होने से ग्राम सभा में विकास कार्य प्रभावित हो रहे है। जिलाधिकारी ने संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए एसडीएम पौड़ी सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

26 सितंबर को शुरू होगा पितृ पक्ष

श्रीनगर गढ़वाल : इस वर्ष पितृ पक्ष 26 सितंबर से पूर्णिमा श्राद्ध के साथ शुरू होकर 10 अक्तूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ संपन्न होगा। पितृ पक्ष में तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान और दान का विशेष महत्व है। कमलेश्वर निवासी आचार्य आनंद प्रकाश नौटियाल ने बताया कि गया जी से पिंडदान की शुरुआत होकर काशी, प्रयागराज, हरिद्वार-ऋषिकेश और अंत में बदरीनाथ धाम स्थित ब्रह्मकपाल में महापिंडदान का विधान है।

विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचाव के बताए उपाय

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ऑनलाइन ठगी और बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति युवाओं को जागरूक करने के लिए राजकीय पालीटेक्निक कोटद्वार में डिजिटल साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई।

शिविर में आशीष गौनियाल ने विद्यार्थियों को फिशिंग लिंक, ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी वेबसाइट, संदिग्ध मोबाइल एप, पासवर्ड व ओटीपी की सुरक्षा, सोशल मीडिया सिक्योरिटी और क्यूआर कोड के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करते समय बरती गई थोड़ी सी लापरवाही आर्थिक नुकसान के साथ ही व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग का कारण बन सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक न करने, संदिग्ध एप डाउनलोड न करने और किसी भी व्यक्ति के साथ ओटीपी, पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करने की सलाह दी। कहा कि डिजिटल युग में तकनीक के इस्तेमाल के साथ साइबर सुरक्षा की जानकारी होना भी जरूरी है। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने साइबर अपराध और ऑनलाइन सुरक्षा से जुड़े सवाल भी पूछे। विशेषज्ञ ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इससे विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन में होने वाली साइबर ठगी के तरीकों को समझने में मदद मिली। उन्होंने विद्यार्थियों से साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी अपने परिवार और आसपास के लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

आयोजित कार्यशाला में बच्चों को जानकारी देते विशेषज्ञ

आग से बचाव के बताएं तरीके

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : अग्निकांड जैसी आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए अग्निशमन विभाग ने अभियान शुरु कर दिया है। इसके तहत शहर के विभिन्न संस्थानों पर पहुंचकर अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को परखा गया। इस दौरान व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के सख्त निर्देश भी दिए गए।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी पौड़ी राजेंद्र खाती के नेतृत्व में फायर यूनिट कोटद्वार ने सिडकुल क्षेत्र स्थित विभिन्न संस्थानों का अग्नि सुरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान संस्थानों में स्थापित अग्निशमन उपकरणों, प्राथमिक अग्निशमन संसाधनों, आपातकालीन निकासी मार्गों और आपदा की स्थिति में बचाव एवं निकासी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। कहा कि संस्थानों में कार्य करने वाले प्रत्येक कर्मचारी को भी अग्निशमन का उपयोग करना आना चाहिए। जिससे आपात स्थिति में यह गुर काम आ सकें। कहा कि कहीं भी आग जैसी घटनाएं होने तक इसकी सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को दें। अभियान के दौरान फायर सर्विस टीम ने संस्थानों के कर्मचारियों को प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों के संचालन और उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में शुरुआती स्तर पर प्रभावी कार्रवाई करने, घबराहट से बचने और सुरक्षित तरीके से लोगों की निकासी सुनिश्चित करने की जानकारी दी गई।

खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताएं 28 से

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु उत्तराखंड संस्कृत अकादमी के तत्वावधान में आयोजित विकासखंड पोखड़ा की खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताएं 28 व 29 सितंबर को जनता इंटरमीडिएट कॉलेज देवराजखाल में आयोजित होंगी।

प्रतियोगिता के खंड संयोजक सुशील धस्माना ने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी मनोज जोशी के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिताएं दो वर्गों में आयोजित होंगी। जिसमें कनिष्ठ वर्ग में कक्षा छः से दस तक के छात्र-छात्राएं व वरिष्ठ वर्ग में कक्षा ग्यारह, बारह व स्नातकोत्तर तक के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। संस्कृत छात्रा स्पर्धा में संस्कृत नाटकम, संस्कृत समूह गान, संस्कृत समूह नृत्य, संस्कृत श्लोकोच्चारणम, संस्कृत वाद-विवाद, संस्कृत आशुभाषणम की प्रतियोगिताएं होंगी। उन्होंने बताया कि प्रथम दिन कनिष्ठ वर्ग की व द्वितीय दिन वरिष्ठ वर्ग की स्पर्धाएं होंगी। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्राप्त विजेताओं को नगद पुरस्कार राशि दी जायेगी।

नशामुक्ति को लेकर विद्यार्थियों ने बनाएं पोस्टर और स्लोगन

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : जयदेवपुर स्थित राजकीय इंटर कालेज में लायंस क्लब डिग्निटी की ओर से नशामुक्ति विषय पर पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ लायंस क्लब के डा. एसके खट्टर और अवधेश चमोली ने किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नशामुक्त, स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। प्रतियोगिता में कक्षा 12वीं की छात्रा तार्शिका ने प्रथम, रक्षा ने द्वितीय और गीता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कृतिका चतुर्थ और श्रेयांश पंचम स्थान पर रहे। विजेता प्रतिभागियों को डिक्शनरी और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा दीक्षा मेहरा, शुभम, लविश, आशीष और राधिका ने भी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्हें भी डिक्शनरी प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्रा ज्योति कंडवाल को साइकिल भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया।

आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में वार्षिक प्रशासनिक एवं तकनीकी निरीक्षण संपन्न

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन का दो दिवसीय वार्षिक प्रशासनिक एवं तकनीकी निरीक्षण मंगलवार को ब्रिगेडियर विजयंत महादिक, कमांडेंट, कुमाऊं रेजिमेंटल सेंटर, रानीखेत की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। निरीक्षण दल के सदस्यों ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में उपलब्ध स्मार्ट कक्षाओं, रोबोटिक्स लैब, पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं जैसी आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं तथा सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में विद्यालय के उत्कृष्ट परिणामों की सराहना की।

निरीक्षण दल में मेजर अशोक कुमार शिक्षा अधिकारी, के.आर.सी., डॉ. धीरज श्रीवास्तव प्रधानाचार्य, आर्मी पब्लिक स्कूल, अयोध्या (यू.पी) शामिल रहे। निरीक्षण दल का विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्ध सुविधाओं, प्रमुख उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं के संबंध में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके उपरांत निरीक्षण दल द्वारा विद्यालय में संचालित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, कक्षाओं, विभिन्न प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय तथा अन्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ संवाद भी किया गया। उन्होंने विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, वी.एस.एम. के सक्रिय सहयोग, मार्गदर्शन एवं विद्यालय के विकास के प्रति उनके योगदान की भी प्रशंसा की। निरीक्षण के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने निरीक्षण दल के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने तथा शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पी०एस०, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग स्टाल (जनरल माइनर यूनिट्स) एव (स्पे० माइनर यूनिट्स) कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ दिनांक 13.10.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

कृते वरिष्ट मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पी०एस०
उ०रे०, मुरादाबाद

No.21-10-Parking-MB-2026-C दिनांक 22.09.2026 3296/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सूचना सं.-Elect/TRD/MB/2026-27/TN-13 दिनांक: 18.09.2026

विभाग	Electrical (TRD)	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-24-TRD-MB-25-26-II	T-12-TRD-MB-26-27
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के 53 लेवल क्रॉसिंग गेटों पर डमी ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की व्यवस्था करने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं।	मुरादाबाद डिवीजन में बॉन्डिंग और अर्थिंग सिस्टम में सुधार के साथ–साथ टीएसएस, एसपी और एसएसपी स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए संवर्धन (Augmentation) के कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	12.10.2026, 15:00 Hrs	12.10.2026,15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (₹):-	₹ 2,71,15,572.92 (Including GST@ 18%)	₹ 3,97,03544.57 (Including GST@ 18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 5,42,300/-	₹ 7,94,100/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹):-	Nil	Nil
ऑफर की वैधता (दिन)	60 Days	60 Days
कार्य पूरा करने की अवधि	06 Months	09 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.

3288/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक जयन्त-गढ़वाल

चकबंदी जागर यात्रा में गूंजी पहाड़ बचाने की आवाज

चौबट्टाखाल में ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने भरी हुंकार

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : गाँव खुशहाल तो राज्य खुशहाल के मूल मंत्र के साथ ह्यगरीब क्रांति अभियान, उत्तराखंड एवं भलु लगद / फील गुड संस्था के संयुक्त तत्वावधान में चौबट्टाखाल में विशाल चकबंदी जागर यात्रा का सफल आयोजन किया गया। इस यात्रा में 100 से अधिक काश्तकारों, जनप्रतिनिधियों एवं चकबंदी कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

यह यात्रा मुख्य बाजार चौबट्टाखाल से जुलूस के रूप में निकलकर तहसील मुख्यालय परिसर तक पहुंची। मुख्य बाजार में स्थानीय काश्तकारों, जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों के साथ एक सूक्ष्म जनसंवाद आयोजित किया गया। इस मौके पर बलबंत गुसाईं (समंवयक, गरीब क्रांति अभियान) ने सरकार की कार्यशैली पर तीखा व्यंग्य करते हुए कहा कि एक ओर सरकार चकबंदी को पहाड़ी खेती व बागवानी के लिए संजीवनी बता रही है, तो दूसरी तरफ चकबंदी

की दिशा में एक नया कदम बढ़ाने से कतरा रही है। सरकार समय रहते चेत जाए, वरना गांवों का अस्तित्व बचाने के लिए ग्रामीण काश्तकार बहुत जल्द अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर होगा।

सुधीर सुन्द्रियाल (संस्थापक, फील गुड संस्था) ने वन्यजीवों के बढ़ते आतंक पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वन्यजीवों से लगातार ग्रामीण जनता परेशान है। गांवों के अस्तित्व को बचाने और खेती को सुरक्षित करने के लिए सरकार को चकबंदी जैसी योजनाएं तुरंत लागू करनी चाहिए। समाजसेवी सुरेंद्र सिंह रावत ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा सरकार कभी ह्यआंशिकह्न तो कभी स्वैच्छिक जैसे नए-नए नाम देकर केवल चकबंदी का नामकरण ही कर रही है। सरकार को चाहिए कि जो पहले से नोटिफाइड गांव हैं, उनकी तुरंत चकबंदी कर एक सफल मॉडल तैयार किया जाए।

एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा 8 सूत्रीय मांगपत्र

इस मौके पर उप जिलाधिकारी चौबट्टाखाल के माध्यम से मुख्यमंत्री, उत्तराखंड सरकार को 8 सूत्रीय मांगपत्र प्रेषित किया गया। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने ग्राम सभा स्तर पर किसानों के बीच संवाद आयोजित कर चकबंदी से जुड़ी तमाम भ्रांतियों को दूर किया जाए, पर्वतीय चकबंदी हेतु अलग ह्यहिल कैडरह्न का गठन हो तथा पूर्व में बंद किए गए पर्वतीय ग्रामों में चकबंदी विभाग को पुनर्जीवित किया जाए, पूर्व में चयनित सात नोटिफाइड गांवों (तंगोली, पंचूर, खैरासैंण, लखोली, ढांगल, औणी व ग्वीन मल्ला) में तुरंत व्यावहारिक चकबंदी प्रक्रिया शुरू की जाए, स्वैच्छिक चकबंदी के विफल प्रयासों के बाद अब सरकार धरातल पर अनिवार्य चकबंदी हेतु योजना बनाएं, नाप कृषि भूमि पर उगे वृक्षों पर काश्तकार का पूर्ण अधिकार तय हो और बिना जटिल विभागीय अनुमति के दोहन की छूट मिले, वन्यजीवों द्वारा फसल नुकसान का मुआवजा पारदर्शी स्थलीय निरीक्षण से तय हो और नियमों में संशोधन कर भूमि स्वामी के स्थान पर वास्तविक फसल बोने वाले काश्तकार को मुआवजा दिया जाए, किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने हेतु प्रत्येक विकासखंड स्तर पर कृषि विपणन केंद्रों की स्थापना की जाए, जंगली जानवरों के आतंक से फसलों की सुरक्षा हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर तारबाड़ के लिए विशेष बजट का स्थायी प्रावधान करने की मांग की है।

श्रीनगर में कूड़ा पृथक्करण नियमों का नहीं हो रहा पालन

श्रीनगर गढ़वाल : सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के बाद भी शहर में कूड़ा पृथक्करण की व्यवस्था जमीन पर नहीं उतर पाई है। कूड़ा वाहनों में हर तरह का कचरा एक ही जगह भरा जा रहा है। ऐसे में कूड़ा पृथक्करण के नियमों का पालन नहीं हो पा रहा है।

नगर निगम ने कूड़ा संग्रहण वाहनों में अलग-अलग श्रेणी के कचरे के लिए अलग-अलग चार जगह बनाने की व्यवस्था शुरू की है। डोर-टू-डोर कूड़ा उठान में लगे कर्मचारियों को भी कचरा अलग-अलग एकत्र करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद कई वाहनों में अभी पुरानी व्यवस्था से ही कूड़ा उठता दिखाई दे रहा है। नर्सरी रोड, अलकेश्वर घाट मार्ग और गुरुद्वारा रोड पर इन दिनों ऐसे कूड़ा वाहन देखे जा रहे हैं। वहीं मुख्य सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने कहा कि ऐसा मामला अभी संज्ञान में नही है। यदि ऐसा हो रहा है तो कूड़ा उठान में लगे वाहनों का निरीक्षण किया जाएगा। इन दिनों कुछ कूड़ा वाहन खराब हैं। हो सकता है इस कारण कुछ स्थानों पर व्यवस्था प्रभावित हुई होगी। (एजेंसी)

कैरी मी बैक पॉलिसी से 12 टन सूखा कूड़ा धाम से एकत्रित कर पहुंचाया गौरीकुंड

4732 श्रद्धालुओं ने अभियान में सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण में दिया योगदान

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : पवित्र श्री केदारनाथ धाम में सूखे कूड़े के प्रभावी प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जिला प्रशासन की अभिनव पहल ह्लकैरी मी बैक पॉलिसीह्न लगातार प्रभावी साबित हो रही है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के मार्गदर्शन में नगर पंचायत केदारनाथ द्वारा हीलिंग हिमालयास फाउंडेशन एवं सुलभ इंटरनेशनल के सहयोग से संचालित इस अभियान के तहत अब तक 4732 श्रद्धालुओं के सहयोग से 12 टन सूखा कूड़ा केदारनाथ धाम से गौरीकुंड तक लाया जा चुका है।

यात्राकाल में धाम को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने के उद्देश्य से संचालित इस पहल में श्रद्धालु स्वेच्छा से अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। अभियान के तहत श्रद्धालुओं को केदारनाथ धाम में विशेष बैग उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनमें वे लगभग 4 से 5 किलोग्राम सूखा कूड़ा एकत्र कर अपने साथ गौरीकुंड तक लाते हैं। इस कूड़े में मुख्य रूप से प्लास्टिक की बोतलें, रैपर, पैकेजिंग सामग्री तथा अन्य सूखा अपशिष्ट शामिल है। अभियान का संचालन उपजिलाधिकारी ऊखीमठ एवं प्रभारी अधिकारी नगर पंचायत केदारनाथ के निर्देशन में किया जा रहा है। हीलिंग हिमालयास फाउंडेशन द्वारा श्रद्धालुओं को कूड़ा संग्रहण के लिए बैग उपलब्ध कराने के साथ ही गौरीकुंड में कूड़े के सुरक्षित संग्रहण की व्यवस्था की जा रही है। वहीं, सुलभ इंटरनेशनल द्वारा एकत्रित कूड़े के परिवहन एवं वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप अंतिम निस्तारण की जिम्मेदारी निभाई जा रही है। नगर पंचायत केदारनाथ के अधिशासी अधिकारी नीरज कुकरेती ने बताया कि ह्लकैरी मी बैक पॉलिसीह्न के माध्यम से अब तक 12 टन सूखा कूड़ा केदारनाथ धाम से गौरीकुंड लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यात्रा अवधि में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। श्रद्धालुओं की सहभागिता से केदारनाथ धाम को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

हनुमान ध्वज स्थापना के साथ रामलीला की तैयारियां शुरू

उत्तरकाशी। श्री आदर्श रामलीला समिति की ओर से रामलीला मंचन की तैयारियां शुरू कर दी गई है। मंगलवार को विधिवत पूजा—अर्चना के बाद रामलीला मंच पर हनुमान ध्वज की स्थापना की गई।

इस दौरान नगर में हनुमान ध्वज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मंगलवार को कार्यक्रम की शुरुआत सुबह परशुराम मंदिर में हनुमान ध्वज की पूजा—अर्चना के साथ हुई। इसके बाद ध्वज को लेकर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा भैरव चौक से शुरू होकर विश्वनाथ चौक और हनुमान चौक होते हुए रामलीला मंच पहुंची। यहां मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा—अर्चना कर हनुमान ध्वज स्थापित किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। समिति के अध्यक्ष डॉ. जयेंद्र पंवार ने बताया कि इस वर्ष रामलीला की 75वीं पुनरावृत्ति के अवसर पर पांच से 21 अक्तूबर तक रामलीला का मंचन किया जाएगा। इस मौके पर शांति प्रसाद भट्ट, अरविंद राणा, पुनीता नौटियाल और विजय महर आदि मौजूद रहे।

रंगोली प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : भक्तदर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा के तहत मंगलवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा गंगा एवं जल स्रोतों के प्रति जागरूकता की भावना विकसित करना रहा।

रंगोली प्रतियोगिता में महाविद्यालय की कुल पांच टीमों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने रंगों एवं रचनात्मकता के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न संदेशों को आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में टीम सी प्रियांशी एवं प्रिंसी ने प्रथम, टीम डी यशोदा एवं सलोनी ने द्वितीय, टीम अमीषा, मीनाक्षी एवं आलोक बड़थ्वाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता संयोजक डॉ0 शिप्रा ने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनकी सृजनात्मक क्षमता को भी विकसित करती हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अजय रावत ने विद्यार्थियों से स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस मौके पर डॉ. सत्यनन्दन भगत, डॉ. उमेश ध्यानी, डॉ. अर्चना नौटियाल, डॉ. ऊषा सिंह, डॉ. मानसी वत्स, डॉ. दुर्गा रजक, डॉ. अभिषेक कुकरेती, डॉ. वसीम अहमद आदि मौजूद रहे।

एक नजर

यमुनाघाटी के अस्पतालों में नहीं ब्लड बैंक की सुविधा

नौगांव (उत्तरकाशी)। उत्तराखंड बनने के ढाई दशक बाद भी यमुनाघाटी में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार नहीं हो पाया है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं महज सपना बन कर रह गई है। यमुनाघाटी में पुरोला विधान सभा सहित यमुनोत्री विधान सभा की 40 प्रतिशत आबादी निवास करती है लेकिन क्षेत्र के किसी भी अस्पताल में ब्लड बैंक की सुविधा नहीं है। इस कारण इन अस्पतालों में प्रसव के लिए आने वाली अधिकतर गर्भवतियों को हायर सेंटर देहरादून रेफर करना पड़ता है।सीएचसी नौगांव और उप चिकित्सालय पुरोला में रक्त संग्रह केंद्र बनाए गए हैं जिनमें जिला चिकित्सालय से खून की उपलब्धता की जानी है लेकिन अभी तक दोनों केंद्रों में सुविधा शुरू नहीं हो पाई है, लोग राज्य बनने के बाद से ही यमुना घाटी में ब्लड बैंक की मांग कर रहे हैं जो आज तक नहीं खुल पाया है।

अस्पतालों में खून की व्यवस्था न होने से अधिकतर गर्भवती महिलाओं में खून की कमी को देखते हुए प्रसव के दौरान डेढ़ सौ किमी दूर रेफर करना पड़ रहा है जिससे कई बार गर्भवती महिला की जान को खतरा बना रहता है। पौने दो लाख की आबादी वाले यमुनाघाटी में ब्लड बैंक न होना जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधियों की कार्य शैली पर सवाल खड़े करती है। यमुनाघाटी के सबसे पुराने अस्पताल सीएचसी नौगांव में भी ब्लड बैंक की सुविधा नहीं है, जबकि यह अस्पताल चारधाम यात्रा के प्रथम पड़ाव पर स्थित है।

यूपीआई शुल्क के विरोध में व्यापारियों ने फूंका सरकार का पुतला

उत्तरकाशी। केंद्र और राज्य सरकार की कथित व्यापारी विरोधी नीतियों के खिलाफ जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के बैनर तले व्यापारियों ने सोमवार को हनुमान चौक पर प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका। उन्होंने यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने, जीएसटी सर्वे के नाम पर व्यापारियों के उत्पीड़न और ऑनलाइन कारोबार को बढ़ावा देने का विरोध किया।

जिला अध्यक्ष सुभाष बडोनी ने कहा कि यूपीआई से भुगतान बढ़ने से जीएसटी और आयकर संग्रह में वृद्धि के साथ अर्थव्यवस्था को भी लाभ हो रहा है। ऐसे में दुकानदारों से यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लेना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन कारोबार और बड़े मॉल की बढ़ती प्रतिस्पर्धा से स्थानीय व्यापारी पहले ही आर्थिक दबाव झेल रहे हैं।

जिला महामंत्री अजय प्रकाश बडोला ने कहा कि व्यापारी विरोधी नीतियां वापस नहीं ली गईं तो आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यूपीआई शुल्क नहीं हटाया गया तो 15 अक्तूबर से ऑनलाइन भुगतान का बहिष्कार किया जाएगा। इस दौरान व्यापारियों ने सरकार से यूपीआई लेनदेन शुल्क मुक्त रखने और जीएसटी सर्वे के नाम पर उत्पीड़न रोकने की मांग की। इस मौके पर मनमोहन थलवाल, ओमप्रकाश भट्ट, वीरेंद्र बत्रा, रमेश चंदोक, नरेश शर्मा, उत्तम गुसाईं, इश्तियाक अहमद और जयेंद्र नौटियाल, अनुज सोनी, सत्य पंवार, धीरज, प्रदीप चौहान, मानसिंह गुसाईं आदि मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन सहित 12 सूत्रीय मांगों को लेकर 25 सितंबर को पौड़ी में जुटेंगे कार्मिक

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड फेडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन, जनपद पौड़ी के जिलाध्यक्ष सीताराम पोखरियाल की अध्यक्षता में श्रीनगर क्षेत्र के विभिन्न विभागों के मिनिस्टीरियल कार्मिकों एवं पदाधिकारियों की सामूहिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 25 सितंबर को जिला मुख्यालय पौड़ी में प्रस्तावित महारैली, धरना-प्रदर्शन एवं घेराव कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पुरानी पेंशन बहाली, गोल्डन कार्ड की समस्याओं के समाधान सहित 12 सूत्रीय मांगों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सभी विभागों के प्रतिनिधियों एवं उपस्थित कार्मिकों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि 25 सितंबर को श्रीनगर क्षेत्र के सभी विभागों एवं घटक संगठनों के कार्मिक बड़ी संख्या में पौड़ी मुख्यालय पहुंचेंगे। जिलाध्यक्ष सीताराम पोखरियाल ने कहा कि 25 सितंबर को जिला मुख्यालय पौड़ी में होने वाले कार्यक्रम में जनपद पौड़ी के सभी घटक संगठनों एवं उनके सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक है। उन्होंने

कहा कि कार्मिकों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की अनदेखी उचित नहीं है। बैठक में सौरभ नौटियाल, कमल सिंह राणा, राकेश बिष्ट, सुरेन्द्र सिंह डबोला, नीलकंठ नौटियाल, अनिल राणा, राहुल सिंह, गौरी नैथानी, अमित सेमवाल, अनुज, हिना, सुनील कुमार, गिरीश प्रसाद डोभाल, गंगा शरण, हरिकृष्ण जोशी, एकता रावत नेगी, अरविंद सिंह, मनीष कुसाण, राजनाथ सिंह, धनेश्वर प्रसाद, मनोज भंडारी, अमित रावत आदि उपस्थित रहे।

आंदोलन नहीं करना चाहते कार्मिक

श्रीनगर इकाई के संयोजक सौरभ नौटियाल ने कहा कि पुरानी पेंशन और गोल्डन कार्ड जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार की चुप्पी ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कार्मिक आंदोलन करना नहीं चाहते, लेकिन मांगों की लगातार अनदेखी होने के कारण सरकार उन्हें आंदोलन के लिए मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर क्षेत्र के सभी विभागों के कार्मिक 25 सितंबर को एकजुट होकर पौड़ी मुख्यालय पहुंचेंगे।

श्रीनगर से बढ़-चढ़कर होगी भागीदारी

श्री हरिकृष्ण जोशी ने कहा कि श्रीनगर क्षेत्र से कार्मिक बढ़-चढ़कर 25 सितंबर के कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि 12 सूत्रीय मांगों को लेकर सभी विभागों के कार्मिक एकमत हैं तथा श्रीनगर से पौड़ी तक संगठन की मजबूत एकजुटता दिखाई जाएगी। बैठक में सभी उपस्थित कार्मिकों ने 25 सितंबर को पौड़ी मुख्यालय में होने वाले कार्यक्रम में श्रीनगर क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने तथा 12 सूत्रीय मांगों के समर्थन में एकजुटता प्रदर्शित करने का संकल्प लिया।

यह है कार्मिकों की 12 सूत्रीय मांगें

कार्मिकों की मांगों में कनिष्ठ सहायक का ग्रेड पे-लेवल-5 (2800) अनुमन्य करते हुए संबंधित पदों का पुनर्गठन एवं अतिरिक्त पदों का सृजन करने, जिन विभागों में पदोन्नतियां नहीं हो रही हैं, वहां पदोन्नत एसीपी की व्यवस्था लागू करने, पदोन्नति में फोरगो नियमावली में एक बार छूट देने, जिन विभागों में मिनिस्टीरियल के पदों का पुनर्गठन नहीं हुआ है, वहां शीघ्र पुनर्गठन कराये जाने, कार्मिक हित में पुरानी पेंशन बहाली हेतु केन्द्र सरकार से अनुरोध करने, गोल्डन कार्ड में आ रही असुविधाओं का तत्काल समाधान करने, स्थानान्तरण अधिनियम में आ रही कठिनाइयों के निराकरण हेतु शीघ्र बैठक करने, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (समूह 'ख') के कर्तव्य एवं दायित्वों के निर्धारण का संशोधित शासनादेश निर्गत करने, मिनिस्टीरियल कार्मिकों की कॉमन सेवाविनियमावली प्रख्यापित करने, समूह 'ग' के कार्मिक को उसके गृह तहसील में भी तैनात किए जाने का शासनादेश निर्गत करने, पदोन्नति में संक्रमण काल र को समाप्त करने, मिनिस्टीरियल के सृजित पदों पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से तैनाती न करने तथा इसकी स्पष्ट एसओपी बनाने की मांग शामिल है।

गढ़वाल विवि करेगी कृषि स्टार्टअप हितधारकों की बैठक की मेजबानी

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय का कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञान का ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, हैदराबाद स्थित मैनेज-सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एग्रीप्रेन्योरशिप (मैनेज-सीआईए) के सहयोग से 23 सितंबर को 'एग्री-स्टार्टअप स्टेकहोल्डर्स कनेक्ट' कार्यक्रम आयोजित करेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि स्टार्टअप इकोसिस्टम में मौजूद कमियों को दूर करना तथा विभिन्न हितधारकों के बीच साझेदारी और सहयोग के अवसर पैदा करना है। कार्यक्रम के माध्यम से कृषि क्षेत्र में सहयोग, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, निवेशकों तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा। इसमें कृषि विकास प्रशासकों, नीति निर्माताओं, सरकारी अधिकारियों, इनक्यूबेशन एवं नवाचार केंद्रों, उद्यमियों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषि व्यवसाय फर्मों, बैंकों, वेंचर कैपिटलिस्ट, स्टार्टअप सलाहकारों, छात्रों, ग्रामीण युवाओं और कृषि स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े सरकारी संगठनों सहित करीब 300 प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय का इनक्यूबेशन सेंटर (आईडीआईसी) तथा स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर के विभिन्न विभाग उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी के व्यवसायीकरण में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम में इंटरैक्टिव कार्यशालाएं, नेटवर्किंग, ज्ञान साझाकरण सत्र, चर्चाएं तथा उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी और नवीन व्यावसायिक मॉडलों को प्रदर्शित करने वाली उत्पाद प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आर.एस. नेगी, डीन कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञान, के अनुसार यह पहल अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप और निवेशकों के बीच संबंध स्थापित करने में सहायक होगी तथा कृषि व्यवसाय क्षेत्र में सतत विकास को प्रोत्साहित करेगी।

शिक्षा मंत्री बोले कम छात्र संख्या वाले स्कूल नहीं होगें बंद

श्रीनगर गढ़वाल : सीडीएस विपिन रावत खेल स्टेडियम में शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने तीन दिवसीय शरदकालीन/शीतकालीन खेलकूद प्रतियोगिताओं 'मिनी गढ़देवा' का शुभारंभ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम, मार्चपास्ट और गत वर्ष की विजेता आरुषि द्वारा मशाल दौड़ के बाद प्रतियोगिताओं का आगाज हुआ। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि कम छात्र संख्या के कारण प्रदेश में किसी भी विद्यालय को बंद नहीं किया जाएगा। गांव में एक भी बच्चा पढ़ने वाला होगा तो उसके लिए विद्यालय संचालित किया जाएगा। कहा कि बेहतर शिक्षा के लिए प्रत्येक विकासखंड में एक-एक आवासीय विद्यालय खोलने की योजना है, जिसके लिए भूमि चिह्नित करने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. रावत ने कहा कि प्रदेश के सभी 95 विकासखंडों में एक-एक स्टेडियम विकसित करने का लक्ष्य है।

प्रारंभिक शिक्षा की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जिले के 15 ब्लाकों के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। दूसरी ओर उन्होंने अवकाश प्राप्त कर्मचारी संगठन के भवन का शिलान्यास किया। उन्होंने 10 लाख रुपये की लागत से तैयार होने वाले भवन में एसी/वातानुकूलित सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा भी की। मौके पर संगठन के पूर्व अध्यक्ष गणेश प्रसाद टम्टा, सुरेश मैठाणी, विमल बहुगुणा, पीवी नैथानी आदि मौजूद रहे। इसके बाद डॉ. रावत ने प्रगति विहार में 3.5 करोड़ की लागत से बनने वाली आधुनिक लाइब्रेरी का भी शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तकालय नई पीढ़ी के लिए वरदान साबित होगा।

हिंदी व स्थानीय भाषा कविता पाठ में आरुषि, रितिक व आशना जीतीं

उत्तरकाशी। राजकीय इंटर कॉलेज गंगोरी में विकासखंड भटवाड़ी के पंचम सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव का ब्लॉक स्तरीय आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी भटवाड़ी हर्षा रावत, राजकीय इंटर कॉलेज गंगोरी के प्रधानाचार्य एवं संयोजक राजपाल सिंह पंवार, विकासखंड विज्ञान समन्वयक जगत सिंह चौहान, प्रेमानंद महाराज ने किया। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग की हिंदी व स्थानीय भाषा कविता पाठ में आरुषि, रितिक और आशना ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।अंग्रेजी कविता पाठ में अक्षित राणा, प्रिया और स्वीकृति सेमवाल क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। नाटक में आरुषि, वसुंधरा, साक्षी, अंशिका, शिवानी, प्रियांशी, रिया और भारती की टीम प्रथम रही। विज्ञान क्विज में जीआईसी भंकोली प्रथम, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मल्ला द्वितीय और जीआईसी जोशियाड़ा तृतीय रहा।

विज्ञान प्रदर्शनी में राजमोद प्रथम, अनुराग पोखरियाल द्वितीय और साक्षी तृतीय रहे। वहीं, जूनियर वर्ग में हिंदी स्थानीय भाषा कविता पाठ में अमित, काजल और आरती ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया। अंग्रेजी कविता पाठ में आरोही नेगी, ऋषिका और अनुष्का विजेता रहे। नाटक में अर्पिता, आस्था, अंशिका, निर्मला, हुशमा, समर और मीना की टीम प्रथम रही।

मटिया महासु और जखंडी महाराज की देव डोलियां यमुनोत्री—गंगोत्री रवाना

पुरोला। रामा और कमल सिराईं पट्टी के 22 गांवों के आराध्य देव मटिया महासु ओडारू और जखंडी महाराज की पवित्र देव डोलियां मंगलवार को पारंपरिक रीति—रिवाजों, ढोल—नगाड़ों और देव जयकारों के बीच चार दिवसीय यमुनोत्री—गंगोत्री यात्रा के लिए रवाना हुईं। देव डोलियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी यात्रा में शामिल हुए।

यात्रा का शुभारंभ कुमोला तोक स्थित पुजेली के मूल देवथान में मटिया महासु और काली माता की विधिवत पूजा—अर्चना के साथ हुआ। पूजा के बाद श्रद्धालु देव डोलियों के साथ प्रथम धाम यमुनोत्री के लिए रवाना हुए। मार्ग में विभिन्न गांवों और बाजारों में देव डोलियों का श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति—

रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया। ढोल—नगाड़ों की गूंज और देव जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। यात्रा में स्याणे, वजीर तथा दोनों पट्टियों के 22 गांवों के बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख—समृद्धि, शांति, खुशहाली, अच्छी फसल और प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा की कामना करते हुए देव आशीर्वाद लिया। देवता के पुजारी जगमोहन नौडियाल और राजाराम नौडियाल ने बताया कि पहले चरण में श्रद्धालु गंगनानी कुंड में पवित्र स्नान करेंगे और जानकीचट्टी में रात्रि विश्राम करेंगे। दूसरे दिन यमुनोत्री धाम में मां यमुना के दर्शन व पूजा—अर्चना के बाद यात्रा गंगोत्री के लिए रवाना होगी। तीसरे दिन गंगोत्री धाम में मां गंगा के दर्शन, स्नान और पूजा—अर्चना होगी। यात्रा में यात्रा में पंडित राजाराम नौडियाल, ओमप्रकाश नौडियाल, जगमोहन नौडियाल, ममलेश, प्रदीप, देव माली, पुजारी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में दर्दनाक हादसा: फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान दो भारतीय छात्रों की मौत, शव भारत भेजने में जुटा दूतावास

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक विमान हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। भारतीय मिशन ने ये जानकारी दी। मृतकों की पहचान तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नानसंबंथम के रूप में हुई है। वैंकूवर स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दोनों छात्रों की मौत पर रविवार को शोक व्यक्त किया। दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'वैंकूवर स्थित भारत का महावाणिज्य दूतावास तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नानसंबंथम की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है। दोनों भारतीय छात्रों की कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक दुखद विमान हादसे में मौत हो गई। उसने कहा, 'इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं परिवारों और उनके प्रियजनों के साथ हैं। हम शवों को भारत ले जाने के लिए उनके परिवारों को वाणिज्य दूतावास संबंधी हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार हैं।

तनाव भगाने के लिए घंटों मेडिटेशन नहीं: 30 सेकंड के ये छोटे अभ्यास देंगे दिमाग को सुकून, जानिए

लंदन, एजेंसी। तनाव और मानसिक थकान कम करने के लिए हमेशा लंबा मेडिटेशन या घंटों की एक्सरसाइज जरूरी नहीं है। कुछ छोटे-छोटे अभ्यास 20 से 30 सेकंड में भी किए जा सकते हैं। इन्हें माइक्रोप्रैक्टिस कहा जा रहा है। विशेषज्ञों और हालिया शोधों के मुताबिक ऐसे छोटे ब्रेक तनाव कम करने, ध्यान केंद्रित करने और मन को शांत करने में मदद कर सकते हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में ऐसे कई अभ्यासों और उनके वैज्ञानिक आधार को बताया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर व्यक्ति के लिए इन अभ्यासों का असर अलग हो सकता है। इन्हें तनाव कम करने के छोटे उपाय के रूप में देखा जाना चाहिए, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज नहीं। हंसी योग में किसी चुटकुले की जरूरत नहीं होती। शुरु में यह कृत्रिम लग सकती है, लेकिन कुछ देर बाद वास्तविक हंसी में बदल सकती है। नीदरलैंड्स की शोधकर्ता नताली वान डर वाल के मेटा-एनालिसिस में हंसी को अवसाद के लक्षणों में कमी से जोड़ा गया। धीमी और गहरी सांसें पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करने में मदद करती हैं। इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ नेपल्स फेडेरिको-2 के शोधकर्ता अमित कुमार के अनुसार, सिर्फ तीन धीमी गहरी सांसें भी तनाव के बीच शरीर और दिमाग को शांत करने में मदद कर सकती हैं। आराम से बैठकर तीन धीमी सांस लें। हर सांस करीब 10 सेकंड की रखें और सांस छोड़ने का समय थोड़ा लंबा रखें। ध्यान सिर्फ सांस के आने-जाने पर रखें। कुछ क्षण अपने प्रति सकारात्मक विचार रखें। लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल के सामने बैठे रहने से गर्दन, कंधों और पीठ पर तनाव बढ़ सकता है। दोनों हाथ पीठ के पीछे जोड़ें। सांस लेते हुए हाथ नीचे की ओर खींचें और छाती को हल्का ऊपर उठाएं। दो-तीन धीमी सांसों तक इसी मुद्रा में रहें।

हैती के राष्ट्रपति की हत्या मामले में बड़ा एक्शन: 18 संदिग्ध अमेरिका प्रत्यर्पित; क्या है पूरा मामला?

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मोइस की जुलाई 2021 में हुई हत्या के मामले में गिरफ्तार 18 संदिग्धों को अब अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा रहा है। रविवार को ये सभी हैती में अमेरिका भेजे जाने का इंतजार कर रहे थे। अमेरिका के दक्षिणी फ्लोरिडा के अटॉर्नी जेसन रेडिंग क्विनोन्स के मुताबिक, इन संदिग्धों पर अब फ्लोरिडा में मुकदमा चलेगा। यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि मोइस की हत्या के पांच साल बाद भी अमेरिकी एजेंसियां इस साजिश से जुड़े लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने सभी 18 आरोपियों की पहचान नहीं बताई है। हालांकि, हैती में मुकदमे का इंतजार कर रहे आरोपियों में एक दर्जन से ज्यादा कोलंबियाई सैनिक, हैती पुलिस का एक पूर्व अधिकारी और हैती के न्याय मंत्रालय की भ्रष्टाचार रोधी इकाई में काम कर चुका एक पूर्व कर्मचारी शामिल है। इन लोगों के परिजनों ने इससे पहले हैती की न्यायिक प्रक्रिया में बार-बार हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जांच और न्यायिक प्रक्रिया गैंग हिंसा, जान से मारने की धमकियों और कमजोर होती न्याय व्यवस्था से प्रभावित हुई। कई हैती के न्यायाधीशों ने अपनी जान को खतरा बताते हुए मामले से खुद को अलग कर लिया। गैंगों ने पोर्ट-ओ-प्रिंस के उस अदालत परिसर पर भी कब्जा कर लिया था, जहां न्यायाधीश आरोपियों से पूछताछ कर रहे थे।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर की एयरस्ट्राइक: हवाई हमले में तीन की मौत, तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्वी कुनार प्रांत को निशाना बनाकर किए गए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई अन्य घायल हो गए। यह जानकारी टोलो न्यूज ने सोमवार को एक प्रांतीय अधिकारी के हवाले से दी गई है। माना जा रहा है कि यह सैन्य हमला उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक पुलिस स्टेशन परिसर में हुए आत्मघाती बम धमाके के जवाब में किया गया है। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि पड़ोसी देशों के बीच तनाव एक बार फिर खुली लड़ाई में बदल सकता है।

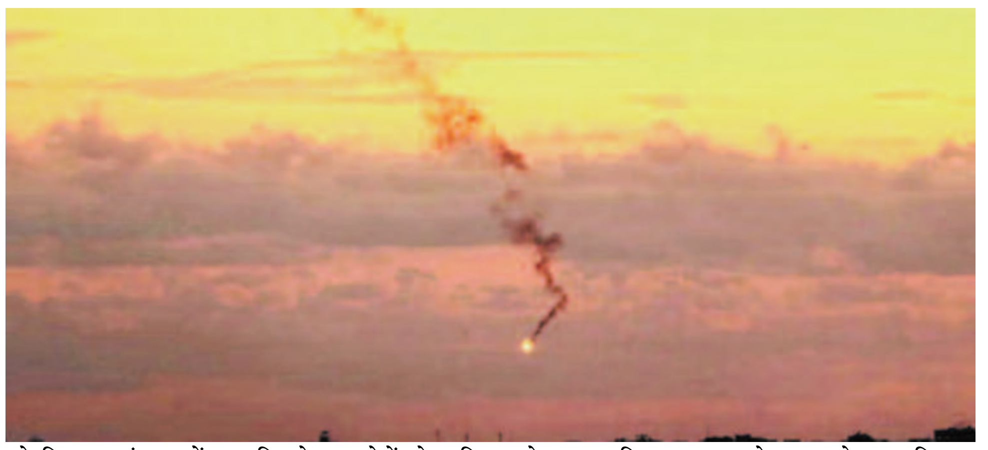

क्या है पूरा मामला : दरअसल, फरवरी में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कई वर्षों में सबसे गंभीर सैन्य टकराव हुआ। यह ताजा तनाव उस चेतावनी के कुछ दिनों बाद बढ़ा है जिसमें तालिबान ने कहा था कि वह किसी भी पाकिस्तानी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ अफगान क्षेत्र की रक्षा करेगा।

तालिबान ने क्या चेतावनी दी थी: पाकिस्तान के संभावित हमलों से पहले, तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने इस्लामाबाद को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि वह अफगानिस्तान के अंदर हमले न करे। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान की जमीन पर हमला हुआ, तो काबुल सैन्य जवाब देगा।

मुजाहिद ने किन आरोपों को खारिज किया अल अरबिया इंग्लिश को दिए एक इंटरव्यू में, मुजाहिद ने पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि अफगानिस्तान में मौजूद चरमपंथी गुट पाकिस्तान के खिलाफ हमले करने के लिए लोगों की भर्ती करते हैं। उन्हें ट्रेनिंग देते हैं और हमले शुरू करते हैं।

मुजाहिद ने क्या कहा : मुजाहिद ने कहा, 'अगर पाकिस्तान अफगानिस्तान की जमीन की पवित्रता का उल्लंघन करने के लिए आर्टिकल 51 का इस्तेमाल करता है, तो अफगानिस्तान को अपने देश की रक्षा करने का अधिकार है, और हम ऐसा करेंगे।' उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के अंदर कोई भी पाकिस्तानी सैन्य अभियान अफगान संप्रभुता का उल्लंघन होगा और काबुल की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो सकती है।

टीटीपी पर क्या बोले मुजाहिद : इसके साथ ही मुजाहिद ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तालिबान प्रशासन 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' (टीटीपी) को अफगान धरती से काम करने की इजाजत नहीं देता है।

उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि तालिबान सरकार दूसरे देशों पर हमले करने वाले हथियारबंद समूहों का समर्थन करती है। इसके बजाय, मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी आंतरिक सुरक्षा समस्याओं पर गौर करना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि टीटीपी और बलूच हथियारबंद समूहों से जुड़ी हिंसा 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने से पहले से ही मौजूद थी। पाकिस्तान ने बार-बार आरोप लगाया है कि चरमपंथी समूह अफगानिस्तान से काम कर रहे हैं और उसने काबुल पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव डाला है। तालिबान ने लगातार इस बात से इनकार किया है कि उसने अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ हमलों के लिए होने दिया है।

अफगानिस्तान बातचीत के लिए तैयार है : सैन्य जवाबी कार्रवाई की चेतावनी के बावजूद, मुजाहिद ने कहा कि काबुल अभी भी इस्लामाबाद के साथ बातचीत करने को तैयार है। उन्होंने दोनों देशों की सीमा पर सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए बेहतर इंटेलिजेंस-शेयरिंग व्यवस्था और ज्यादा आपसी सहयोग की बात कही। मुजाहिद ने सऊदी अरब की संभावित मध्यस्थता भूमिका का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि रियाद के अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। वह दोनों पक्षों के मतभेदों को सुलझाने में मदद कर सकता है। साझा सीमा पर चरमपंथी गतिविधियों के कारण काबुल और इस्लामाबाद के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं।

'अगर गलती की तो होंगे दर्दनाक नतीजे': ईरान की दो टूक, गालिबाफ बोले- शर्तें माने यूएस वरना होर्मुज नहीं खुलेगा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। इस बीच ईरान ने कहा है कि जब तक अमेरिका तेहरान की शर्तें नहीं मानता, तब तक न तो होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोला जाएगा और न ही उसके साथ बातचीत पर विचार किया जाएगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने यह बात कही है।

अल जजीरा के अनुसार, गालिबाफ ने दो टूक शब्दों में कहा कि ईरान ने मध्यस्थों के जरिए अमेरिका तक अपनी मांगें और शर्तें स्पष्ट रूप से पहुंचा दी हैं। उन्होंने कहा कि जब तक ईरान की शर्तें पूरी नहीं होतीं, ईरानी लोगों के जरूरी अधिकारों को मान्यता नहीं मिलती और अमेरिका अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं करता, तब तक बातचीत के पुराने ढांचे में लौटने या होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की कोई संभावना नहीं है।

होर्मुज क्यों बना तनाव का प्रमुख केंद्र : अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य तनाव का प्रमुख केंद्र बन गया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया में ऊर्जा की आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यहां समुद्री यातायात पर लगाए गए प्रतिबंधों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और तेल आपूर्ति में आगे और बाधा आने की चिंता बढ़ गई है। क्या अमेरिकी ठिकानों पर फिर हमलों की तैयारी में ईरान? गालिबाफ के बयान के बाद ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान ने भी अमेरिका को चेतावनी दी है। ईरान के खतम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय ने सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के हवाले से कहा कि अगर अमेरिका ने तेहरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और उसके हितों को निशाना बनाया जाएगा। सैन्य कमान ने कहा, 'अगर अमेरिका इस्लामी गणराज्य ईरान के खिलाफ कोई गलती करता है, तो क्षेत्र में उसके सभी ठिकानों और हितों को बिना किसी सीमा या विचार के लगातार, प्रभावी और दर्दनाक हमलों का निशाना बनाया जाएगा।' ईरानी सैन्य कमान ने क्षेत्र के उन देशों को भी चेतावनी दी है जो अमेरिका की किसी सैन्य कार्रवाई में उसका साथ देंगे। ईरान ने कहा कि ऐसे देशों को कार्रवाई में भागीदार माना जाएगा और ईरानी सेना की ओर से उनके खिलाफ किसी संयम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि उसकी सेनाओं ने ईरान पर लगाए गए नौसैनिक नाकाबंदी को लागू करने की कोशिशों के तहत 109 वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदला है। अमेरिकी सेना ने 14 जुलाई को ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले समुद्री यातायात पर नौसैनिक नाकाबंदी लागू करने की कार्रवाई फिर शुरू की थी।

ट्रंप के 'विजय द्वार' में बनेगा सैन्य अड्डा: ड्रोन-स्नाइपर से गोला-बारूद तक का इंतजाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन में अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पास प्रस्तावित आर्च (मेहराब) को लेकर एक नई योजना सामने रखी है। ट्रंप के मुताबिक, करीब 250 फीट यानी 76 मीटर ऊंचा यह आर्च सिर्फ एक स्मारक नहीं होगा, बल्कि इसे सैन्य परिसर के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाएगा। यहां बड़ी संख्या में ड्रोन रखने और जरूरत पड़ने पर उन्हें तेजी से इस्तेमाल करने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा आर्च की छत और प्लाजा क्षेत्र में स्नाइपर तैनात किए जा सकेंगे। यहां बड़ी मात्रा में स्नाइपर का गोला-बारूद भी रखा जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेना के जोर देने पर उन्होंने आर्च को एक उच्च स्तर के सैन्य परिसर और विजय द्वार के रूप में विकसित करने की मंजूरी दी है। ट्रंप ने इस फैसले के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि आर्च पर ड्रोन और स्नाइपर जैसी सैन्य व्यवस्था की जरूरत किस खास खतरे को देखते हुए महसूस हुई। अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा कि ट्रंप की पोस्ट के अलावा विभाग के पास इस बारे में फिलहाल कुछ और कहने को नहीं है।

प्रस्तावित आर्च अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पास एक ट्रैफिक सर्कल में बनाया जाना है। यह फोर्ट मायेर से करीब एक मील और पेंटागन से लगभग दो मील यानी 3.2 किलोमीटर दूर है। ट्रंप इसे अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर बनाना चाहते हैं। इसी योजना के तहत वॉशिंगटन को बदलने की ट्रंप की व्यापक कोशिशों की भी चर्चा हो रही है। इनमें जॉन एफ. कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स के नाम में अपना नाम जोड़ने की कोशिश भी शामिल है।

सेवानिवृत्त मरीन कर्नल और रक्षा विशेषज्ञ मार्क कैनसियन ने आर्च को सैन्य परिसर में बदलने की जरूरत पर सवाल उठाया है। उन्होंने रॉयटर्स से कहा कि यह कदम आर्च के निर्माण का समर्थन मजबूत करने के लिए जोड़ा गया लगता है।

किम के नए मिसाइल दागने से बढ़ा तनाव: अलर्ट हुए अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया, विदेश मंत्रालय ने क्या बताया?

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के वरिष्ठ राजनयिकों ने सोमवार को टेलीफोन पर बातचीत की। तीनों देशों की बातचीत उत्तर कोरिया की ओर से हाल ही में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए जाने के बाद हुई है। यह जानकारी दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने दी है। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, रविवार को प्योंगयांग ने ईस्ट सी की तरफ दो कम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह इस साल देश का 14वां बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च था और पिछले आठ दिनों में पहला।

मंत्रालय ने क्या बताया : मंत्रालय के अनुसार, कोरियाई प्रायद्वीप नीति के महानिदेशक बेक योंग-जिन ने अमेरिकी विदेश विभाग में पूर्वोत्तर एशिया के लिए डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी डेविड विलेजोल और जापान के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ताकाशी अरियोशी से बातचीत की।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'तीनों अधिकारियों ने जरूरी जानकारी साझा की और भविष्य में की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा की।' बयान में आगे कहा गया, 'जब भी उत्तर कोरिया बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च करता है, तो तीनों देशों के विदेश मामलों के अधिकारी जानकारी और आकलन को तुरंत साझा करने के लिए एक चैनल का इस्तेमाल करते हैं।'

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को किए गए ये लॉन्च अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े के नेतृत्व में बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास 'पैसिफिक वैनगार्ड' और अन्य क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियों के जवाब में किए गए प्रतीत होते हैं। इस कदम को एक बाहरी संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है कि प्योंगयांग अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की कोशिशें जारी रखेगा। यह सब मंगलवार से शुरू हो रहे यूएन जनरल असेंबली के सत्र और गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली बैठक से पहले हो रहा है।

उत्तर कोरिया ने मिसाइलों लॉन्च की जानकारी दी : ट्रंप की ओर से उत्तर कोरिया के प्रति नरमी दिखाने के बावजूद उत्तर कोरिया ने अपने मिसाइल परीक्षण जारी रखे हैं। ट्रंप ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की इच्छा भी जताई है। इस बीच, सोमवार सुबह तक उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने देश के हालिया मिसाइल लॉन्च पर कोई जानकारी नहीं दी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने रविवार को ईस्ट सी की ओर कुछ घंटों के अंतराल पर दागी गईं।

चीन को साधने की कोशिश में अमेरिका: कृषि-ऊर्जा उत्पादों पर लगा सकता है कम टैरिफ, एआई को लेकर बनी क्या सहमति?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने चीन के साथ बातचीत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी घटनाओं के लिए नई सूचना व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा कि इस व्यवस्था के तहत एआई से जुड़ी ऐसी घटनाओं की जानकारी साझा की जा सकेगी, जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। यह प्रस्ताव इस सप्ताह व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली बातचीत से पहले हुई चर्चा का हिस्सा है। न्यूयॉर्क में चीन के उपप्रधानमंत्री हे लिफेंग के साथ बातचीत के बाद बेसेंट ने कहा कि अमेरिका साझा लक्ष्यों और साझा खतरों को लेकर एक समान दृष्टिकोण चाहता है।

एआई शक्तियों के बीच हो पारदर्शिता : स्कॉट बेसेंट स्कॉट बेसेंट ने कहा कि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो एआई शक्तियों के बीच पारदर्शिता बढ़ाना जरूरी है। बेसेंट ने कहा, 'हमारा मानना है कि किसी भी सीमा पार गतिविधि की तरह, दुनिया की नंबर एक और नंबर दो एआई शक्तियों के बीच अपारदर्शिता से अधिक पारदर्शिता की ओर बढ़ना बहुत महत्वपूर्ण है।' ट्रंप एआई विकास धीमा करने के सुझावों का विरोध कर चुके हैं। उनका कहना है कि ऐसा करने से चीन को अमेरिकी कंपनियों की बराबरी करने का मौका मिल सकता है।

अमेरिका-चीन में व्यापार वार्ता को लेकर बनी सहमति रविवार देर रात जेपी मॉर्गन चेज के मुख्यालय की लॉबी में बेसेंट और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने कहा कि इस सप्ताह ट्रंप और शी के बीच होने वाली बातचीत के लिए आधार तैयार हो चुका है। दोनों नेताओं की बैठक आगामी गुरुवार को होने वाली है।बेसेंट और ग्रीर ने बताया कि दोनों देश एक नई 'व्यापार परिषद' को अमल में लाने पर सहमत हुए हैं। इस व्यवस्था पर ट्रंप और शी ने मई में बीजिंग में मुलाकात के दौरान चर्चा की थी। ग्रीर ने कहा, 'आज वे विचार वास्तविकता बन गए हैं।'

ग्रीर ने कहा कि दोनों देश अभी भी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि किन 'गैर-संवेदनशील' वस्तुओं को कम शुल्क की श्रेणी में रखा जा सकता है। संभावित सूची में उपभोक्ता वस्तुएं, कृषि उत्पाद, ऊर्जा उत्पाद और चिकित्सा उपकरण शामिल हो सकते हैं। दोनों देशों के बीच हुई ताजा चर्चा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और चीन एआई, व्यापार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपने संबंधों को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

कनाडा का यूरोप की ओर बढ़ा कदम: मैक्रों ने ईयू का सहयोगी सदस्य बनाने का किया समर्थन, कार्नी से की मुलाकात

टोरंटो, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कनाडा के यूरोपीय संघ का पहला एसोसिएट सदस्य बनने के प्रस्ताव का समर्थन किया। साथ ही, उन्होंने और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अंतरिक्ष, रक्षा, ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्रों में रणनीतिक संबंध और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए।

दोनों नेताओं की मुलाकात कहां हुई : रविवार को नेताओं की मुलाकात सेंट-पियरे-ए-मिकेलॉन में हुई। यह न्यूफाउंडलैंड के तट के पास स्थित फ्रांस का एक इलाका है, जहां फ्रांस और कनाडा के बीच की दूरी बस कुछ ही किलोमीटर है। अमेरिका के साथ बिगड़ते रिश्तों के बीच कनाडा का यूरोप की ओर तेजी से झुकाव हो रहा है। इसके साथ ही यह जगह इस बदलाव के लिए एक बहुत ही दिलचस्प पृष्ठभूमि है।

मैक्रों ने क्या कहा : कार्नी के साथ खड़े होकर मैक्रों ने फ्रेंच भाषा में कहा, 'हम यूरोपियन यूनियन के साथ करीबी रिश्ते बनाने के उस एजेंडे के बहुत ज्यादा पक्ष में हैं। चाहे वह यूनियन के सहयोगी सदस्य के तौर पर हो,या फिर यूरोपियन समुदाय के पूर्ण सदस्य के तौर पर।' वहीं, कार्नी ने फ्रेंच भाषा में कहा, 'कनाडा और फ्रांस के बीच सबसे नजदीकी बिंदु पर सिर्फ कुछ किलोमीटर की दूरी है। हमारे मूल्य और भी ज्यादा करीब हैं।'

किन क्षेत्रों में सहयोग देने की हुई बात: कार्नी ने कहा कि देश अपनी स्पेस एजेंसियों और रक्षा मंत्रालयों को लॉन्च सिस्टम और जमीन पर आधारित रिसेप्शन सुविधाओं जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने और साझा करने का काम सौंपेंगे। वे ऊर्जा, टेलीकम्युनिकेशन, जलवायु के प्रति लचीलेपन और आर्थिक विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए। मैक्रों का यह समर्थन यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की ओर से कनाडा को ईयू का पहला एसोसिएट सदस्य बनाने का प्रस्ताव रखने के कुछ दिनों बाद आया है।

कनाडा यूरोप के साथ संबंध मजबूत क्यों कर रहा : कार्नी ने इस संभावना का स्वागत किया और तर्क दिया कि यूरोप के साथ गहरे संबंध कनाडा को और अधिक विकल्प देंगे।उसे किसी एक देश की ओर आर्थिक दबाव के प्रति कम संवेदनशील बनाएंगे। ट्रंप के टैरिफ, आर्थिक रियायतों की मांग और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बार-बार की बातों ने यूरोप की ओर इस झुकाव को तेज कर दिया है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नक्शा भी पोस्ट किया था जिसमें कनाडा और सेंट-पियरे-एट-मिकेलॉन सहित पूरे उत्तरी अमेरिका पर अमेरिकी झंडा दिखाया गया था। मैक्रों ने रविवार को सेंट-पियरे-एट-मिकेलॉन हवाई अड्डे पर कार्नी का स्वागत किया। यह न्यूफाउंडलैंड के तट के पास स्थित लगभग 5,800 लोगों की आबादी वाला फ्रांसीसी क्षेत्र है। मैक्रों ने कहा, 'कनाडा महत्वपूर्ण खनिजों और रेयर अर्थ के महत्वपूर्ण संसाधनों वाला देश है।

ट्रैफिक रोका, फिर चला दी गोली: ऑस्टिन में आईसीई एजेंट ने शख्स को किया घायल; सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारी

ऑस्टिन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास की राजधानी ऑस्टिन में रविवार दोपहर एक आईसीई एजेंट ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। घटना शहर के उत्तरी हिस्से में हुई। ऑस्टिन पुलिस प्रमुख लिसा डेविस ने बताया कि गोली व्यक्ति के धड़ में लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर है। पुलिस के मुताबिक घटना एक ट्रैफिक स्टॉप के बाद हुई। ऑस्टिन पुलिस का कोई अधिकारी इस कार्रवाई या गोलीबारी में शामिल नहीं था।

घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़ : गोलीबारी की खबर के बाद घटनास्थल पर करीब 100 प्रदर्शनकारी पहुंच गए। वहां बड़ी संख्या में कानून प्रवर्तन अधिकारी भी तैनात थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने दंगा नियंत्रण ढाल लिए पुलिसकर्मियों पर नाराजगी जताई। कुछ लोग वहां से गुजर रही गाड़ियों की ओर चिल्ला रहे थे। कई वाहन चालकों ने हॉर्न बजाकर प्रदर्शन का समर्थन किया। एक व्यक्ति के हाथ में पोस्टर था, जिस पर एक तरफ और दूसरी तरफ 'आईसीई नाजी' लिखा था।

मेयर बोले- जांच में स्थानीय पुलिस भी हो : ऑस्टिन के मेयर किर्क वॉटसन ने मामले की जांच में शहर की पुलिस को शामिल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे जांच में स्पष्ट और तीसरे पक्ष की नजर बनी रहेगी। मेयर ने कहा कि इस मामले की जांच अकेले आईसीई के हाथ में देना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ऑस्टिन के लोगों को अपने शहर में सुरक्षित महसूस करने का अधिकार है। उनके मुताबिक सही तरीके से हुई जांच मामले की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

गोली लगने वाला व्यक्ति कौन है : परिवार की ओर से पैरवी कर रहीं इमिग्रेशन अटॉर्नी केट लिंकन गोल्डफिंच ने घायल व्यक्ति की पहचान 28 वर्षीय वेनेजुएला निवासी विल्बर राफेल गार्सेस पेरेज के रूप में की है। वकील ने पहले कहा था कि उन्हें लगता है कि उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और उसके खिलाफ अमेरिका से निष्कासन का कोई अंतिम आदेश नहीं है। हालांकि बाद में उन्होंने एपी को बताया कि उन्हें उसकी मौजूदा इमिग्रेशन स्थिति की जानकारी नहीं है। परिवार को अस्पताल से नहीं मिली जानकारी वकील के मुताबिक, परिवार को अस्पताल से उसकी स्थिति या वह कहां है, इसकी जानकारी हासिल करने में परेशानी हुई। रात करीब सात बजे घायल व्यक्ति की पत्नी को अस्पताल के वकील ने बताया कि उसे कुछ घंटे पहले ही आईसीई की हिरासत में सौंप दिया गया था। हालांकि यह साफ नहीं है कि वह आईसीई की हिरासत में अस्पताल में ही था या उसे कहीं और ले जाया गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक घटनास्थल पर एक गहरे नीले रंग की टोयोटा कोरोला खड़ी थी। कार के यात्री पक्ष के दरवाजे पर नुकसान के निशान थे। वहां गोलियों के निशान जैसे निशान भी दिखाई दिए।

आईसीई ने जांच को लेकर नहीं दी जानकारी : अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग, जिसके अधीन आईसीई काम करता है, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुआ। विभाग ने घटना के बारे में जानकारी मांगने पर तत्काल कोई जवाब भी नहीं दिया।

फूड इंडस्ट्री में दें अपने भविष्य को उड़ान

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें न सिर्फ तरह-तरह के पकवान खाना अच्छा लगता है, बल्कि वे अच्छे स्वाद को भी भली-भांति पहचान लेते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें विशिष्ट प्रकार के व्यंजनों से विशिष्ट लगाव है तो आप अपने इसी लगाव को अपना भविष्य बना सकते हैं। फूड इंडस्ट्री में विकल्पों की भरमार है। लीक से हटकर यह कॅरियर बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। आइए फूड इंडस्ट्री में मौजूद विकल्पों के बारे में जानें।

फूड क्रिटिक

मार्केट में कौन–से नए फूड प्रोडक्ट आए हैं, इससे लेकर किस रेस्तरां में कौन–से स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं, इसकी पूरी जानकारी अपनी राइटिंग स्किल के जरिए लोगों तक पहुंचाना फूड क्रिटिक का महत्वपूर्ण काम होता है। फूड क्रिटिक खाने के टेस्ट के साथ ही रेस्तरां की सर्विस के बारे में भी पूरी जानकारी देते हैं। फूड क्रिटिक बनने के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन बैचलर डिग्री होनी जरूरी है। बशर्ते आपमें खाने का स्वाद पहचानने, उसे बनाने का तरीका जानने और लिखने की कला होनी चाहिए।

न्यूट्रीशनिस्ट

यदि आप फूड के बारे में वैज्ञानिक तौर पर काफी कुछ जानते हैं तो आप न्यूट्रीशनिस्ट बन सकते हैं। आपको यदि ज्यादा से ज्यादा फूड के बारें में जानकारी हैं कि कौन सा फूड कैसा असर करता है। मोटे होने के लिए क्या खाएं और पतले होने के लिए क्या खाएं। डायबीटिज में क्या खाना फायदेमंद है, हार्ट अटैक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन करें या किन चीजों का ना करें, इस तरह की जानकारियां यदि आपकों अच्छी लगती हैं और आपकी इनमें गहरी रूचि है तो आप एक न्यूट्रीशनिस्ट के रूप में अपने कॅरियर को संवार सकतें है

फूड स्टाइलिस्ट

जितना खाने मे टेस्ट का होना जरूरी है, उतना ही खाने का बेहतर और क्रिएटिव दिखना भी जरूरी है। खाने को परोस कर देने का तरीका भी खाने को बेहतर बनाता है। अगर आप में यह स्किल है कि आप किसी भी तरीके के खाने को अच्छी तरह से सजाकर लोगों को उसकी ओर आकर्षित कर सकतें है तो आप फूड स्टाइलिस्ट बन सकतें है। इसकी भी काफी डिमांड है क्योंकि आजकल फाइव स्टार होटल और रेस्तरां में इनकी खासी कमी है। फूड स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना काफी जरूरी है।

कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट

सिर्फ फैशन की दुनिया में ही नहीं, बल्कि फूड इंडस्ट्री में भी ट्रेंड बदलते रहते हैं। कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट समय–समय पर फूड को लेकर ग्राहकों की बदलती पसंद या नापसंद की जानकारी अपने क्लाइंट तक पहुंचाते हैं। किस रेस्तरां में कौन–कौन से आइटम परोसे जा रहे हैं। किस रेस्तरां की किस खास चीज को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ये सारी जानकारियां जुटाने का काम कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट का ही है। वे फूड इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को जानने के लिए फूड ब्लॉगर्स पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं।

प्रमुख कोर्स

- केटरिंग टेक्नोलॉजी और कलिनरी ऑर्ट्स में बैचलर डिग्री
- फूड प्रोडक्शन में क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स
- फूड और बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा
- बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा
- किचन मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- गेस्ट सर्विस मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- हाउसकीपिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में एडवांस डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में एमएससी
- डाइअटेटिक्स और फूड सर्विस मैनेजमेंट में एमएससी

फूड फोटोग्राफर

जिन लोगो को खाना काफी पसंद है और वे कुछ क्रिएटिव करना चाहतें हैं तो वे इन चीजों के साथ फूड फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। फूड फोटोग्राफी वर्तमान में एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन बनकर सामने आया है, जिसकी ओर युवा काफी आकर्षित भी हैं। बतौर फूड फोटोग्राफर आप किसी भी रेस्तरां या मैगजीन के लिए काम कर सकते हैं।

रेस्तरां प्रचारक

किसी रेस्तरां या होटल को फूड ब्लॉगर, मीडिया हाउसेस, मैगजीन या टीवी शो प्रोड्यूसर के माध्यम से आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी रेस्तरां प्रचारक की होती है। इनका अहम मकसद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी रेस्तरां की तरफ आकर्षित करना है।

स्कूल साइकोलॉजी की दुनिया में तराशें रोजगार

आजकल कुछ स्कूलों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। मनोविज्ञान अपनी पूर्णता में एक ऐसा क्षेत्र है, जहां करियर से जुड़े अनेक विकल्प हैं। स्कूल साइकोलॉजी इसकी महत्वपूर्ण शाखाओं में एक है। स्कूलों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए अब स्कूल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कूल साइकोलॉजिस्ट किसी भी स्कूल की टीम के मुख्य सदस्य होते हैं, जो शैक्षिक मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान के सिद्धांतो का पालन कर छात्रों में सीखने की क्षमता और अध्यापकों में सिखाने की क्षमता का विकास करते हैं। स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के भावनात्मक, व्यवहारिक, और शैक्षिक जरूरतों का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का हल करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। अगर आपकी रुचि बच्चों के मनोभाव को जानने और उनके डिप्रेशन को दूर करने की दिशा में है तो आप स्कूल साइकोलॉजिस्ट का कॅरियर चुन सकते हैं। आजकल बच्चे सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र में कॅरियर की भरपूर संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में आप साइकोलॉजिकल काउंसलिंग करके बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट के कार्य

- स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के विकास की विशेषताओं को समझने में शिक्षक की सहायता करता है।
- प्रत्येक छात्र विकास की कुछ निश्चित अवस्थाओं से गुजरता है जैसे शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था। विकास की दृष्टि से इन अवस्थाओं की विशिष्ट विशेषताएं होती हैं। यदि शिक्षक इन विभिन्न अवस्थाओं की विशेषताओं से परिचित होता है तो वह अपने छात्रों को भली प्रकार समझ सकता है और छात्रों को उसी प्रकार निर्देशन देकर उनको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकता है। इस बारे में पूर्ण जानकारी भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट ही टीचर को देता है।
- बच्चों के नेचर को जानने की कोशिश करता है।
- शिक्षा की प्रकृति एवं उद्देश्यों को समझने में सहायता प्रदान करता है।
- बच्चों की वृद्धि और विकास के बारे में शिक्षकों को ज्ञान देता है।
- बच्चों के अच्छे समायोजन में मदद करता है और कुसमायोजन से बचाता है।
- स्कूल मनोवैज्ञानिक कुछ खास बच्चों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी शिक्षक को देता है, जिससे शिक्षक उन बच्चों को अपनी क्लास में पहचान सकें और उनकी आवश्यकतानुसार मदद कर सकें। उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सकें और फिर उन्हें परामर्श दे सकें।
- मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चों के लक्षणों को पहचानना और ऐसा प्रयास करना कि उनकी इस स्वस्थता को बनाए रखा जा सके, यह कार्य भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट का ही होता है।

शैक्षणिक योग्यता

आप किसी भी विषय में इंटरमीडिएट पास करने के बाद साइकोलॉजी विषय में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आम तौर पर इसमें बैचलर ऑफ आर्ट्स यानी बीए की डिग्री दी जाती है लेकिन अगर आपने साइंस से इंटर पास किया है तो साइकोलॉजी में बीएससी ऑनर्स भी कर सकते हैं। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद पीएचडी या एमफिल किया जा सकता है।

कहां काम करते हैं स्कूल साइकोलॉजिस्ट

- पब्लिक और प्राइवेट स्कूल
- यूनिवर्सिटीज
- स्कूल आधारित स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र
- कम्यूनिटी आधारित डे ट्रीटमेंट या आवासीय क्लीनिक और अस्पताल
- बाल न्याय केंद्र
- प्राइवेट प्रैक्टिस

पर्सनल स्किल

- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल
- धैर्य और सहजता
- सभी उम्र के लोगों के साथ काम करने की कला
- आत्मविश्वास
- क्लाइंट को संतुष्ट करने की योग्यता
- लोगों की मदद करने का पैशन
- काम के प्रति लगाव
- संवेदनशीलता
- सहानुभूति की भावना

कहां से करें पढ़ाई

- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमन
- जीसस एंड मैरी कॉलेज
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, क्रिस्ट कॉलेज
- सोफिया कॉलेज फॉर विमन
- कमला नेहरु कॉलेज फॉर विमन
- मिठिबाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- गार्गी कॉलेज
- जय हिंद कॉलेज
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- ज्योति निवास कॉलेज
- विल्सन कॉलेज, मुंबई
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
- आशुतोष कॉलेज
- नेयानल डिग्री कॉलेज, जया नगर
- भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी

प्रेजेंटेशन में सामने वाले को बोर नहीं, बल्कि इंप्रेस करें। तब आपको कामयाबी मिलेगी। सबसे असरदार कंटेंट भी बिल्कुल बेअसर हो जाता है, जब प्रेजेंटर का स्टाइल उसके अनुरूप न हो। कई लोग प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस हो जाते हैं, जिसका असर उनके बोलने और बॉडी लैंग्वेज पर पड़ता है। यही कुछ रुकावटें हैं, जिन पर काबू पाना जरूरी होता है। आत्मविश्वास बढ़ने के साथ–साथ यह कमियां दूर हो जाती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास, लचीलापन और अपने कंटेंट की गहरी जानकारी बेहद जरूरी होती है।

कटेंट पर ध्यान दें

आपके पास पहले से रोचक, संपूर्ण और सबका ध्यान खींचने वाला कंटेंट होना चाहिए। साथ ही उस मैटेरियल को सबके सामने रखने का आत्मविश्वास भी जरूरी है। अपने माहौल की समझ के साथ–साथ आपको यह ध्यान रखना भी आवश्यक होता है कि आपके संदेश का असर अधिकाधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं अपने कंटेंट को तैयार करना इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस किस्म की प्रेजेंटेशन देने जा रहे हैं। फिर भी जरूरी है कि आप मुख्य बिंदुओं की पहचान कर लें। यह जरूरी नहीं होता कि प्रत्येक डिटेल श्रोताओं के सामने रखी जाए।

स्टाइल पर ध्यान दें

प्रेजेंटर का स्टाइल ही एक अच्छे प्रेजेंटेशन के लिए जरूरी होता है। इसलिए अपनी स्टाइल और बात करने के तरीके पर खास ध्यान दें।

पूरी जानकारी दें

बेहतर प्रेजेंटेशन दर्शकों को विषय के बारे में अतिरिक्त जानकारी देती है, इसलिए जरूरी है कि विषय की आउटलाइन से शुरुआत की जाए। श्रोताओं को बताएं कि आप क्या विषय उठाना चाहते हैं, ताकि उनकी अपेक्षाएं शुरू में ही स्पष्ट हो जाएं। इससे विषय के प्रति कौतुहल भी बना रहता है।

उदाहरण से बनेगी बात

एक अन्य तथ्य यह है कि प्रेजेंटेशन की शुरुआत और अंत जोरदार तरीके से हो। यदि शुरुआत में आप श्रोताओं का ध्यान नहीं खींच पाते है तो यह आपके पक्ष में नहीं जाता। साथ ही बीच–बीच में रोचक उदाहरण देना भी जरूरी होते हैं।

सुनने वाले के बारे में जानें

आपको सुनने वालों के बारे में सबसे पहले पता लगाना चाहिए कि वे कौन हैं? इसके बाद यह जानना जरूरी होता है कि प्रेजेंटेशन से वे क्या चाहते हैं? उनके लिए क्या सूचना नई होगी और क्या पुरानी? क्या उनकी कुछ विशेष जरूरतें हैं, जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए? इसके लिए जरूरी है कि अपनी प्रेजन्टेशन की आउटलाइन आपको स्पष्ट हो। दरअसल, आपको सुनने वाले यदि संतुष्ट होते हैं तो समझिए कि आपकी प्रेजेंटेशन सफल रही।

अत्याचार से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को समय पर न्याय, सुरक्षा और सम्मान मिले

मामलों की प्रभावी निगरानी के लिए विकसित किया जाए डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ली राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि समिति की बैठक केवल औपचारिक समीक्षा तक सीमित न रहे। यह सुनिश्चित किया जाए कि अत्याचार से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को समय पर न्याय, सुरक्षा, सम्मान और उसका अधिकार मिले। इसके लिए मामलों की नियमित समीक्षा के साथ पूरी व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और प्रभावी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024 से अब तक अधिनियम के अंतर्गत दर्ज जिन मामलों में विवेचना लंबित है, उनके लंबित रहने के कारणों की समीक्षा करते हुए प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। लंबे समय से लंबित एवं गंभीर प्रकृति के मामलों में पुलिस, प्रशासन और अभियोजन विभाग आपसी समन्वय से प्रभावी कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने विशेष न्यायालयों में लंबित मामलों की भी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुराने मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए पुलिस और अभियोजन विभाग के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। मामलों की प्रभावी पैरवी के लिए आवश्यकता के अनुसार विशेष लोक अभियोजकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि पीड़ितों को अनुमन्य राहत राशि के भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो। कहा कि प्रभावित परिवारों की सहायता केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार उन्हें चिकित्सा, शिक्षा, सुरक्षा, पुनर्वास और अन्य पात्र सरकारी योजनाओं से भी जोड़ा जाए। गंभीर एवं संवेदनशील मामलों में पीड़ित और उसके परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी घटना के कारण प्रभावित परिवार के बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो तथा पात्र बच्चों को छात्रवृत्ति एवं अन्य शैक्षिक सहायता योजनाओं से जोड़ा जाए। बैठक में समाज कल्याण मंत्री खजान दास, विधायक ममता राकेश, सचिव गृह शैलेश बगौली, सचिव समाज कल्याण श्रीधर बाबू अद्दांकी, सचिव एवं आयुक्त राजस्व परिषद श्री रंजना राजगुरू, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी.अशुमन, आईजी बरिंदरजीत सिंह, निदेशक समाज कल्याण संजय कुमार, निदेशक जनजाति कल्याण संजय टोलिया एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

2026 में 15 सितम्बर तक 116 अभियोग पंजीकृत

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2024 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत 189 और वर्ष 2025 में 157 अभियोग पंजीकृत हुए। वर्ष 2026 में 15 सितम्बर तक 116 अभियोग पंजीकृत हुए हैं, जिनमें 25 प्रकरण विवेचनाधीन हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2024-25 में 205 पीड़ितों को 228.71 लाख रुपये, वर्ष 2025-26 में 127 पीड़ितों को 143.16 लाख रुपये तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में 18 सितम्बर तक 104 पीड़ितों को 99.528 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई है। मुख्य सचिव और जनपद स्तर पर जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में बैठकों का नियमित आयोजन किया गया।

रेशमा को ढूंढने की मांग, महिलाओं ने जताया आक्रोश

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक की गुमशुदा रेशमा बिष्ट को खोजने की मांग को लेकर पहाड़ की पुकार संगठन से जुड़ी महिलाएं भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अवंतिका भंडारी के नेतृत्व में एसएसपी श्वेता चौबे से मिलीं। उन्होंने एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर लंबे समय बाद भी रेशमा को जल्द ढूंढने की मांग की।

रेशमा की तलाश के लिए सर्च अभियान को प्रभावी बनाने और संभावित सभी स्थानों पर गंभीरता से खोज करने की मांग की गई। गुमशुदगी की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच कराने तथा जांच में किसी की भूमिका संदिग्ध मिलने पर कार्रवाई की मांग की।

अवंतिका ने बताया कि एसएसपी श्वेता ने प्रकरण की दोबारा समीक्षा करने और इससे जुड़े प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच कराने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर कुसुम सलोनी, अंजलि कठियाल, आरती सेलवान, आशा रावत, शशि चौहान, सीमा रावत, रेशमा बिष्ट के भाई विकास रावत, दीपक नेगी, अखिल सिंह रावत और निखिल सिंह रावत मौजूद रहे।

आनंद बर्द्धन ने जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की समीक्षा बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय में सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण विभागीय विषयों की समीक्षा की। बैठक में ई–ऑफिस के क्रियान्वयन, उत्तराखंड गवर्नमेंट एसेट्स मॉनिटरिंग सिस्टम, सिंगल यूज प्लास्टिक पर नियंत्रण तथा सेवानिवृत्त कार्मिकों की पेंशन, ग्रेच्युटी और मेडिकल रीइंबर्समेंट से जुड़े मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने राज्य एवं जनपद स्तर पर ई–ऑफिस के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी विभागीय सचिवों को ई–ऑफिस को शत–प्रतिशत लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में ई–ऑफिस की प्रगति अपेक्षाकृत कम है अथवा फाइलों के मूवमेंट की स्थिति संतोषजनक नहीं है, वहां नियमित समीक्षा कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने विभागों द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों और नवाचारों को सचिव समिति की बैठकों में साझा करने के निर्देश दिए, ताकि सफल प्रयासों को अन्य विभागों में भी लागू किया जा सके। साथ ही विभागों को अपने उल्लेखनीय कार्यों और नवाचारों की जानकारी मुख्य सचिव कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा।

घूतू–तुलंगा मार्ग की धीमी प्रगति पर उठाए सवाल

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक ऊखीमठ में घूतू–नागराज–सल्या–तुलंगा मोटर मार्ग के निर्माण की धीमी प्रगति को लेकर उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता सूरज नेगी ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से निर्माणाधीन सड़क का काम अब तक पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि करीब सात किलोमीटर लंबे मार्ग के अपग्रेडेशन के लिए वर्ष 2024 में शासन से 7.05 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे। यह कार्य जनवरी 2025 तक पूरा किया जाना था लेकिन सितंबर 2026 तक भी सड़क का काम अधूरा है। इस मार्ग से सल्या, लवाणी, तुलंगा समेत 12 गांवों को लाभ मिलना था।

कण्वाश्रम में चक्रवर्ती सम्राट भरत की प्रतिमा स्थापना और सौन्दर्यीकरण हेतु 31.90 लाख स्वीकृत

विकास योजनाओं के लिए मिली 16.88 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों के लिए 16.88 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद रुद्रप्रयाग के विधानसभा क्षेत्र केदारनाथ के अन्तर्गत तहसील बसुकेदार के अनावासीय एवं आवासीय भवनों का निर्माण किये जाने हेतु 12.26 करोड़, जनपद पौड़ी के विधानसभा क्षेत्र कोटद्वार के कण्वाश्रम में चक्रवर्ती सम्राट भरत की प्रतिमा स्थापना तथा सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 31.90 लाख, जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ के ग्राम पंचायत तौक भौरा फील्ड सिंचाई गूल का निर्माण किये जाने हेतु 44.13 लाख तथा जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट के गराली में पुलिया निर्माण किये जाने हेतु 58.14 लाख की

धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट में भूमिधारा से कुमालगांव खडण्जा एवं पुलिया निर्माण किये जाने हेतु 74.24 लाख, जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ के ग्राम पंचायत मझेडा के प्राथमिक विद्यालय भूगांव से नाघर कुमाल्ता, स्यूसी तक संपर्क मार्ग का निर्माण किये जाने 49.85 लाख तथा जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र सहसपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, झाझरा में बंशीवाला में अम्बेडकर पार्क होते हुए काली मन्दिर व मुख्य मार्ग से बिजेन्द्र चौहान के घर तक मार्ग व आयुर्वेदिक अस्पताल के बगल वाली गली नेहरू युवा क्लब के सामने उपाध्याय के घर तक मार्ग निर्माण एवं सैनिक कॉलोनी के आन्तरिक मार्ग व सुद्धोवाला के वार्ड 8 व 9 के आन्तरिक मार्गों में सीमेन्ट कंक्रीट टाईल द्वारा मार्ग निर्माण एवं नाली निर्माण किये जाने हेतु 76.60 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र धर्मपुर के वार्ड संख्या-86, सेवलाकलां के संसारी माता मंदिर के जीर्णोद्धार का अवशेष कार्य किये जाने हेतु 49.95 लाख तथा जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में माँ पूर्णागिरी मेला क्षेत्र का अनुरक्षण, विश्राम शेड एवं पुलिया निर्माण किये जाने हेतु 77.22 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ से गौरीकुंड पहुंचाया 12 टन सूखा कूड़ा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में सूखे कूड़े के प्रभावी प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के लिए संचालित कैरी मी बैक अभियान के तहत अब तक 12 टन सूखा कूड़ा केदारनाथ से गौरीकुंड लाया जा चुका है। अभियान में 4732 श्रद्धालुओं ने सहभागिता की है। नगर पंचायत केदारनाथ की ओर से हीलिंग हिमालयास फाउंडेशन और सुलभ इंटरनेशनल के सहयोग से अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत श्रद्धालुओं को केदारनाथ धाम में विशेष बैग दिए जाते हैं जिनमें वे करीब चार से पांच किलोग्राम सूखा कूड़ा एकत्र कर अपने साथ गौरीकुंड तक लाते हैं। इसमें मुख्य रूप से प्लास्टिक बोतलें, रैपर, पैकेजिंग सामग्री और अन्य सूखा अपशिष्ट शामिल है। हीलिंग हिमालयास फाउंडेशन की ओर से बैग उपलब्ध कराने और गौरीकुंड में कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था की जा रही है। सुलभ इंटरनेशनल की ओर से कूड़े के परिवहन और वैज्ञानिक तरीके से अंतिम निस्तारण की जिम्मेदारी निभाई जा रही है। नगर पंचायत केदारनाथ के अधिशासी अधिकारी नीरज कुकरेती ने बताया कि यात्रा अवधि में अभियान जारी रहेगा। श्रद्धालुओं की सहभागिता से केदारनाथ धाम को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

बदरीनाथ धामः दूसरे चरण की यात्रा पकड़ने लगी रफ्तार

चमोली। मानसून की रफ्तार धीमी होने के साथ ही बदरीनाथ धाम की दूसरे चरण की यात्रा भी जोर पकड़ने लगी है। धाम में प्रतिदिन चार से पांच हजार तीर्थ यात्री पहुंच रहे हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस, प्रशासन और बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने भी व्यवस्थाएं तेज कर दी हैं।बदरीनाथ धाम में अब तक 17 लाख 70 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। दूसरे चरण की यात्रा शुरू होने के साथ ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की चहल–पहल बढ़ गई है। मंदिर मार्ग से लेकर तप्तकुंड तक यात्रियों की भीड़ नजर आ रही है। वहीं ब्रह्मकपाल में पिंडदान और तर्पण करने वालों की संख्या भी बढ़ने लगी है।

इस वर्ष मानसून के दौरान भी यात्रा की रफ्तार बनी रही। अब बारिश कम होने के बाद यात्रियों की संख्या में और इजाफा हो रहा है। यदि यात्रियों की मौजूदा रफ्तार बनी रही तो इस वर्ष बदरीनाथ धाम में तीर्थ यात्रियों की संख्या नया रिकॉर्ड बना सकती है। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ ने बताया कि बदरीनाथ में यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। इसे देखते हुए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या का नया रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है। अब तक समिति को करीब 40 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हो चुकी है।

उपचारात्मक शिक्षण प्रभावी बनाने के निर्देश

नई टिहरी। जिले के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक स्कूल और आठवीं की क्लास संचालित करने वाले हाईस्कूल और इंटर कॉलेजों में कक्षा दो, कक्षा पांच और आठवीं के छात्रों का दक्षता आधारित बेसलाइन आकलन किया गया। कक्षा दो में हिंदी और गणित, कक्षा पांच में हिंदी, गणित और पर्यावरण अध्ययन, कक्षा आठ में हिंदी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों का आकलन किया गया।

सीईओ कमला बडवाल ने बैठक में बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के तहत छात्रों की शैक्षिक दक्षताओं का आकलन कर कम उपलब्धि वाली दक्षताओं को चिन्हित किया जा रहा है। इसके आधार पर डायट द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्कूलों में उपचारात्मक शिक्षण और दक्षता आधारित प्रश्नपत्रों के माध्यम से आकलन कराया जा रहा है। बैठक में ऑनलाइन शामिल हुई सीईओ ने सभी बीईओ, उप शिक्षा अधिकारियों, डायट मेंटर्स, बीआरपी और सीआरपी को उपचारात्मक शिक्षण का अनुश्रवण करने, छात्रों को आवश्यक शैक्षिक सहयोग देने और आकलन परिणामों की जानकारी अभिभावकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। प्राचार्य डायट सुमेर सिंह कैंतुरा ने बताया कि अगला दक्षता आधारित आकलन पांच अक्तूबर 2026 को होगा।

लोकतंत्र में हिंसा और दबंगई के लिए कोई स्थान नहीं-तिलकराज बेहड़

ऊधमसिंह नगर। किच्छा नगरपालिका चुनाव के दौरान विधायक तिलकराज बेहड़ और पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के समर्थकों के बीच विवाद और धक्का–मुक्की का मामला सामने आया। स्ट्रांग रूम के बाहर हुए हंगामे के दौरान विधायक बेहड़ के साथ हाथापाई और थप्पड़ मारने का आरोप भी सामने आया है। मौके पर मौजूद पुलिस और अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में दोनों नेताओं को हिरासत में लिए जाने की खबर सामने आई है। घटना के बाद विधायक तिलकराज बेहड़ ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं और चुनावी प्रक्रिया को लेकर कड़ा बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान उनके साथ जिस प्रकार हाथापाई की गई, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है।

बेहड़ ने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन किसी जनप्रतिनिधि के साथ हिंसा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, हिंसा में नहीं।हम संविधान में विश्वास रखते हैं, दबंगई में नहीं।हम जनबल के साथ खड़े हैं, बाहुबल के सामने नहीं झुकेंगे।

किच्छा में 22 सितंबर को नगरपालिका चुनाव के लिए मतदान हुआ। चुनाव के दौरान कई स्थानों पर तनातनी और विवाद की स्थिति बनी। मतदान के बाद स्ट्रांग रूम में मतपेटियां रखने को लेकर भी विवाद हुआ, जिसके बाद दोनों पक्षों के समर्थक आमने–सामने आ गए। विधायक बेहड़ के बयान के बाद किच्छा की चुनावी राजनीति में यह मामला और चर्चा में आ गया है। अब प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई पर भी राजनीतिक नजरें टिकी हैं।

राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण को लेकर समिति की बैठक

देहरादून, राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में गठित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई। इस दौरान राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण से जुड़े विभिन्न प्रकरणों पर समिति के सदस्यों ने विस्तार से विचार–विमर्श किया। बैठक में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण से संबंधित सभी प्रकरणों का परीक्षण निर्धारित मानकों और शासन द्वारा तय प्रक्रिया के अनुरूप किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण में उपलब्ध अभिलेखों एवं साक्ष्यों का विधिवत परीक्षण करने के बाद ही नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पारदर्शिता और निष्पक्षता पर विशेष जोर

जिलाधिकारी ने कहा कि चिन्हीकरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। प्रत्येक प्रकरण का परीक्षण उपलब्ध अभिलेखों और संबंधित साक्ष्यों के आधार पर किया जाए, ताकि प्रक्रिया नियमानुसार और स्पष्ट तरीके से पूरी हो सके।

उन्होंने समिति के सदस्यों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। साथ ही लंबित प्रकरणों के निस्तारण की कार्रवाई समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए।

समिति सदस्यों ने रखे सुझाव

बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर अपने सुझाव और विचार रखे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रकरणों में आवश्यक अभिलेखों की जांच कर नियमानुसार प्रक्रिया पूरी की जाए और पात्र प्रकरणों के निस्तारण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

शराब के नशे में डिलीवरी बॉय से मारपीट

देहरादून। सार्वजनिक स्थान पर शराब के नशे में हंगामा करना और डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट करना एक सिक्योरिटी गार्ड को भारी पड़ गया। थाना नेहरू कॉलोनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 21 सितंबर 2026 की रात थाना नेहरू कॉलोनी को सूचना मिली कि ओएसिस मॉल परिसर में एक व्यक्ति शराब के नशे में हंगामा कर रहा है और सामान की डिलीवरी देने पहुंचे जोमैटो डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट व गाली–गलौज कर रहा है।

सूचना मिलते ही चौकी जोगीवाला से पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि वह और अधिक उग्र हो गया और डिलीवरी बॉय के साथ दोबारा मारपीट करने का प्रयास करने लगा।

शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका में गिरफ्तारी

मौके पर स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस टीम ने आरोपी को धारा 170 बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ओएसिस मॉल में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करता है। शराब के नशे में डिलीवरी बॉय के साथ हुई बहस के दौरान उसके साथ मारपीट किए जाने की बात सामने आई है।

बाढ़ के बाद नई उम्मीदः असम के जुनाकीमंडल गांव में वैज्ञानिक पुनर्वास पहल

देहरादून, असम में हाल ही में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित गांवों में पुनर्वास और सुरक्षित आवास को लेकर वैज्ञानिक पहल शुरू की गई है। जोरहाट जिले के तिताबोर क्षेत्र स्थित जुनाकीमंडल गांव, जो उरकफ स्मार्ट विलेज मिशन के तहत चयनित गांवों में शामिल है, में उरकफ–उइफक की बहुविषयक टीम ने मैदानी स्तर पर पहुंचकर बाढ़ से हुए नुकसान का वैज्ञानिक आकलन किया।

बाढ़ के कारण गांव में कई आवासीय भवनों, ग्रामीण आधारभूत ढांचे और सामुदायिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। इसके मद्देनजर टीम ने प्रभावित भवनों का विस्तृत सर्वेक्षण कर संरचनात्मक और गैर–संरचनात्मक क्षति का आकलन किया। साथ ही भवनों के कमजोर हिस्सों की पहचान कर उनकी मरम्मत, रेट्रोफिटिंग और सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक तकनीकी उपाय सुझाए गए।

आवास सक्षम कार्यक्रम में 150 से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा

जुनाकीमंडल गांव में आवास सक्षमः लाभार्थियों के लिए तकनीकी जागरूकता एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के लाभार्थियों को सुरक्षित, किफायती, टिकाऊ और आपदा–रोधी आवास निर्माण की तकनीकों से परिचित कराना था। बाढ़ और पर्यावरणीय संवेदनशीलता को देखते हुए भवन मरम्मत एवं रेट्रोफिटिंग, प्लिंथ प्रोटेक्शन वॉल, नॉन–इरोडेड मड प्लास्टर, फायर–रिटार्डेंट थैच रूफ तथा बांस से निर्मित सुरक्षित और टिकाऊ आवास जैसी तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया।

फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप में दो गिरफ्तार

देहरादून। NEET UG 2025 के तहत एमबीबीएस में दाखिले के लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र तैयार कराने के मामले में देहरादून पुलिस की एसआईटी ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में रूपेश पंडित और अरविंद कुमार शामिल हैं।

मामले की जांच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम कर रही है। पुलिस के मुताबिक, 13 सितंबर 2026 को थाना रायपुर और थाना क्लेमेंटाउन में अलग–अलग अभ्यर्थियों द्वारा सरकारी पोर्टल पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जाने और जांच में प्रस्तुत दस्तावेजों के फर्जी पाए जाने के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों के आधार पर थाना

रायपुर में मुकदमा अपराध संख्या 380/26 तथा थाना क्लेमेंटाउन में मुकदमा अपराध संख्या 86/26 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने निष्पक्ष और गहन जांच के लिए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण–1 श्रीमती जया बलोनी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया।

एसआईटी ने जांच के दौरान मामले से जुड़े दस्तावेजों को कब्जे में लेकर उनका परीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, जांच में संबंधित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों पर दर्ज पते गलत पाए गए। इसके बाद एसआईटी ने संबंधित शिक्षण संस्थानों में जाकर प्रवेश से जुड़े दस्तावेजों को भी कब्जे में लिया। इन दस्तावेजों के परीक्षण से अभ्यर्थियों के वास्तविक पते और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी सामने आई।

45—45 लाख रुपये में दाखिले का आरोप

पुलिस के अनुसार, पूछताछ और अब तक सामने आए साक्ष्यों के आधार पर पता चला कि रूपेश पंडित पिछले करीब पांच वर्षों से एजुकेशन कंसल्टेंसी का काम कर रहा था। वह मेरठ में टएउडऊ पाठशाला नाम से एक कंपनी संचालित करता था।

पुलिस का कहना है कि इसके माध्यम से विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों और विदेशों में MBBS, B.Tech, BCA, BBA AüS B.CoZ सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में कमीशन के आधार पर दाखिले कराने का काम किया जाता था।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

एशियन गेम्सः क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ कोरिया से होगा मुकाबला

महिला टेबल टेनिस टीम ने थाईलैंड को हराया

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने मंगलवार को थाईलैंड को हराते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने 2-1 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए थाईलैंड को 3-2 से हराया और क्वार्टर फाइनल में पहुंची। क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम का सामना नॉर्थ कोरिया से होगा। यशस्विनी घोरपड़े ने दो जीत के साथ भारत को मुकाबले में बनाए रखा, जबकि श्रीजा अकुला ने ओलंपियन और एशियन गेम्स मेडलिस्ट सुथासिनी सावेत्ताबुत पर 3-1 (9-11, 11-6, 12-10, 11-8) से जीत हासिल करके मुकाबला पक्का कर दिया।

भारत ने अब तक एशियन गेम्स टेबल टेनिस में तीन कांस्य पदक जीते हैं। यह सफलता जकार्ता 2018 में मिली थी, जहां

भारतीय पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में देश के लिए पहला टेबल टेनिस मेडल जीता। इसके बाद शरत कमल और मनिका बत्रा ने मिक्स्ड डबल्स में एक और कांस्य पदक जीता। हांगझोऊ 2023 में, सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने महिला डबल्स में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले, भारत के कराटे खिलाड़ी चेतन भट्ट मंगलवार को कांस्य पदक मैच में चीनी ताइपे के चुंग मेंग-यू से सेंशु के हाथों हारने के बाद पुरुषों की 84 किग्रा कुमाइट में पोडियम फिनिश से चूक गए। कांस्य पदक के मुकाबले में, चेतन का मुकाबला चीनी ताइपे के मेंग-यू चू से हुआ। स्कोर 1-1 से बराबर था और मेंग-यू को सेंशु के जरिए विजेता घोषित किया गया।भट्ट इससे पहले अपना सेमीफाइनल जॉर्डन के मोहम्मद अलजा'फारी से 8-0 से हार गए थे।

एशियन गेम्स 2026: महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में हारीं पीवी सिंधु

जापान ने बनाई 1-0 की बढ़त

चिनोमिया सिटी । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेला गया, जहां यामागुची ने सिंधु को हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला गेम टाई-ब्रेक में जीतने के बाद सिंधु तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन यामागुची से 21-23, 21-18, 21-11 से हार गईं, जिससे जापान को क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त मिल गई। उन्नति हुड्डा दूसरे मुकाबले में टोमोका मियाजाकी के खिलाफ भारत के लिए स्कोर

बराबर करने की कोशिश करेंगी। इस मैच से पहले, दोनों खिलाड़ी 30 बार आमने-सामने हो चुकी थीं, जिसमें सिंधु 16 जीत के साथ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आगे थीं। मंगलवार की हार के बाद दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 16-15 हो गया है, जो अभी भी सिंधु के पक्ष में है।

सिंधु ने 6-10 के अंतर को पाटते हुए अच्छा खेल दिखाया और स्कोर 12-12 तक पहुंचाया। इसके बाद 15-18 से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक गेम प्वाइंट बचाकर पहला गेम 23-21 से जीता। दूसरे गेम में, 12-17 से पिछड़ने के बाद सिंधु ने तेजी से कुछ प्वाइंट हासिल किए और अंतर को 16-18 तक कम कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

466 विकेट लेने वाले अंग्रेज गेंदबाज का क्रिकेट से संन्यास

थमा 2 वर्ल्ड कप जीतने वाले तेज गेंदबाज का सफर

नई दिल्ली । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है।36 वर्षीय मार्क वुड ने अपने क्रिकेट करियर में फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी20 क्रिकेट को मिलाकर कुल 466 विकेट लिए।दो विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम का हिस्सा रहे मार्क वुड अपनी तेज रफ्तार और खतरनाक गेंदबाजी के लिए पहचाने जाते हैं।

मार्क वुड ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 255, लिस्ट ए

में 126 और टी20 क्रिकेट में 85 विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने कुल 2341 रन (1977 प्रथम श्रेणी, 230 लिस्ट ए और 134 टी20 मैच) भी बनाए।लगातार चोटों से जूझने के कारण मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया।

टेस्ट मैचों में लिए 119 विकेट– दो बार वर्ल्ड कप जीतने वाले और अपनी पीढ़ी के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक मार्क वुड ने 2015 में लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू करने के बाद 38 टेस्ट मैचों में 119 विकेट लिए।मार्क वुड ने 70 वनडे इंटरनेशनल में 80 और 38 टी20 इंटरनेशनल मैचों में कुल 54 विकेट लिए।उन्होंने टेस्ट में 811,

भारत-जापान टी20 मैच से पहले 'वंदे मातरम' की गूंज

खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर गाया राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान

नई दिल्ली । भारत और जापान के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला कान्टो के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है।इस मुकाबले में बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ और 5–5 ओवर का मैच शुरू हुआ।इस मुकाबले से पहले सानो में ऐतिहासिक पल देखने को मिला। राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् गूंजा।इससे पहले भारत–अफगानिस्तान टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व भी नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में

यही देखने को मिला था।वहां भी वंदे मातरम् गूंजा था।ऐसा ही नजारा जापान के कान्टो में दिखा जहां, भारतीय खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर पहले वंदे मातरम् गाया और फिर राष्ट्रगान हुआ।

श्रेयस अय्यर ने चुनी पहले बल्लेबाजी

आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच यह मुकाबला दोनों देशों के बीच राजनीतिक रिश्तों की 75वीं वर्षगांठ को सेलिब्रेट करने के लिए खेला जा रहा है।इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।बारिश के कारण मुकाबला तीन घंटे की देरी से शुरू हुआ।यह मैच 5–5 ओवर का हो रहा है और कुल 10 ओवर का एक्शन फैंस को देखने को मिलेगा।

'यह गर्व का पल है'

आईओए प्रमुख पीटी उषा ने गोल्ड मेडल जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दी बधाई

निशिन । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने इस पल को गर्व का क्षण बताया और उम्मीद जताई कि आइची-नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय दल और भी कई गोल्ड मेडल जीतेगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने जापानी एशियाई खेल आयोजन समिति से एशियन गेम्स में क्रिकेट को शामिल करने का आग्रह किया था, ठीक वैसे ही जैसे यह हांग्जो 2023 खेलों का हिस्सा था। पीटी उषा ने 'आईएएनएस' के साथ एक खास बातचीत में कहा, 'मुझे खुशी है कि महिला क्रिकेटर्स ने गोल्ड मेडल जीता और इसमें कोई शक नहीं कि हमें और भी गोल्ड मेडल मिलेंगे। मैंने जापान एशियाई खेल आयोजन समिति की समन्वय समिति से खेलों में पुरुष और महिला क्रिकेट को शामिल करने का अनुरोध किया था। मैं क्रिकेट देखना चाहती थी और मुझे खुशी है कि खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल

जीता है। यह गर्व का पल है।' आईओए अध्यक्ष जीत के बाद महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात करेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं यहां उनसे पहले नहीं मिल पाई थी; हम पहले कई बार मिल चुके हैं लेकिन मैं उनसे यहां भी मिलूंगी। मैंने उनका खेल देखा था जब वे यहां खेल रही थीं।' भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपना गोल्ड मेडल बचाने के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया।

फाइनल में स्मृति मंधाना ने 79 रनों की दमदार पारी खेली जबकि शेफाली वर्मा ने 29 गेंदों में 48 रन बनाए। वहीं, ऋचा घोष ने 22 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए, जिसके दम पर भारतीय टीम 3 विकेट खोकर 216 रन स्कोरबोर्ड पर लाने में सफल रही। वहीं, गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने मिलकर 9 विकेट लिए और भारत को 147 रनों की बड़ी जीत दिलाई। 217 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम महज 69 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मौजूदा एशियन गेम्स में यह भारत का पहला और कुल मिलाकर सातवां गोल्ड मेडल है। भारतीय महिला टीम ने एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में भी गोल्ड मेडल जीता था और अब उसी टीम के खिलाफ अपने खिताब का बचाव किया है।

कप्तान अय्यर ने की जापान की तारीफ

कहा- उनका प्रदर्शन शानदार रहा

सानो । एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जापान का रोमांचक मुकाबला खेला गया। बारिश और गीले मैदान की वजह से मैच 20-20 ओवरों की जगह 5-5 ओवरों का खेला गया।

भारतीय टीम ने 2 रन से यह मैच जीता। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अय्यर ने मैच के बाद जापान टीम की तारीफ की। मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद श्रेयस ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बल्लेबाजी के लिए बहुत मुश्किल विकेट था। हमने ओपनर्स को भी देखा, जो लगातार रन बनाने के आदी हैं, स्पिन की पेस को समझ नहीं पा रहे थे। मैं जब अंदर आया तो मैंने तय किया कि सिंगल्स और डबल्स लेना और जितना हो सके स्ट्राइक रोटेट करना जरूरी है। मैंने अपने साथ आए बल्लेबाज से भी बात की, लेकिन वह भी करना मुश्किल था। मैंने बस यह तय किया कि मैं गेंद की मेरिट पर खेलूंगा और देखूंगा, उसी के हिसाब से प्लान बनाऊंगा।

अगर बॉल घूम ले रही है और थोड़ी रुक रही है, तो मैं बस बॉल की पेस का इस्तेमाल करूंगा और खुद को पीछे रोककर देखूंगा कि मैं सिंगल्स और डबल्स ले सकूं। तो यह काफी अच्छा रहा।' अय्यर ने कहा, 'मैं हमेशा कहता रहता हूं कि पांच ओवर का गेम कहीं भी जा सकता है।

पुरुष क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

200 टी20 मैच जीतने वाली पहली टीम बनी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान जापान को 2 रन से हरा दिया।टी20 क्रिकेट में भारत की यह 200वीं जीत थी।200 टी20 मैच जीतने वाली भारत पहली टीम है।भारत ने अपने पहला टी20 मैच में ही पहली जीत दर्ज की थी।एक दिसंबर 2006 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की।भारत ने अपना 50वां जीत 2017 में श्रीलंका के खिलाफ हासिल किया था।टीम इंडिया ने कोलंबो में खेले गए इस मैच में 7 विकेट से जीत

हासिल की थी।भारत ने अपनी 100वीं जीत 2022 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 रन से, 150वीं जीत 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 रन से और 200वीं जीत 2026 में जापान के खिलाफ 2 रन से हासिल की है।भारतीय टीम 50 जीत के लिए 83 मैच, 51 से 100 जीत का आंकड़ा हासिल करने के लिए 72 मैच, 101 से 150 जीत तक पहुंचने के लिए 70 मैच और 151 से 200 जीत तक पहुंचने के लिए 66 मैच खेले। भारतीय टीम ने अपनी आखिरी 50 जीत के लिए सबसे कम मैच खेले हैं।

भारत–जापान मैच की बात करें तो सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था।भारतीय टीम की बल्लेबाजी निराशाजनक रही थी।बारिश की वजह से गीले मैदान के कारण मैच 20 ओवर की जगह मात्र 5–5 ओवर का हुआ।

भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 32 रन बनाए। सर्वाधिक 16 रन कप्तान श्रेयस अय्यर ने बनाए। 33 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी जापान 5 ओवर में 3 विकेट पर 30 रन ही बना सकी और 2 रन से मैच हार गई।

शैफाली वर्मा कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा WT20I रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं

नहीं तोड़ पाईं पाकिस्तानी जोड़ी का एशियन गेम्स का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने 2026 में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शैफाली वर्मा महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। शैफाली वर्मा ने इस मामले में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ा।

क्रिकबज के आंकड़ों के मुताबिक, लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 2026 में अब तक 863 रन बनाए हैं। हालांकि, एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ स्मृति मंधाना के साथ उनकी 99 रन की साझेदारी उन्हें इस प्रतियोगिता (महिला वर्ग) में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंचा पाई।

एशियन गेम्स का यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार के नाम है। आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार ने एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ 115 रन की साझेदारी की थी।

शैफाली वर्मा ने 2026 में महिला ञ्20ढ्ढ क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनके नाम इस कैलेंडर ईयर में 863 रन हो गए हैं। इसके साथ ही वह एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा महिला ञ्20ढ्ढ रन बनाने वाली बैटर बन गई हैं। इस सूची में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट 824 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। हॉन्गकॉन्ग की नताशा माइल्स ने 800 रन के साथ तीसरे और संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओजा 779 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं।

स्मृति ने रचा इतिहास

11000 रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने एक बार फिर खुद को बड़ी मैच की खिलाड़ी साबित किया। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के फाइनल (गोल्ड मेडल मैच) में बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। उन्होंने इस पारी में अपना 37वां टी20 इंटरनेशनल अर्धशतक लगाया। स्मृति ने पारी में 13 रन बनाते ही एक खास मुकाम भी महिला क्रिकेट में हासिल कर लिया है।

हाल ही में स्मृति मंधाना ने मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा महिला इंटरनेशनल रन का रिकॉर्ड बनाया था। अब वह 11 हजार रन महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे कर चुकी हैं। वह महिला क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनी हैं। उन्होंने अपने 308वें इंटरनेशनल मैच में यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं उन्होंने अपनी साथी ओपनर शैफाली वर्मा के साथ भी तीन बड़े रिकॉर्ड बनाए।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाली 5 खिलाड़ी

स्मृति मंधाना (भारत): 11060* रन
मिताली राज (भारत): 10868 रन
सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड): 10740 रन
शार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड): 10273 रन
स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज): 10005 रन